दैनिक
# बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

बॉक्स ऑफिस पर हैप्पी पटेल और ...8

बलरामपुर
मंगलवार, 20 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 108 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

## तिरंगे की आन पर किश्तवाड़ में कुर्बान हुआ एक और लाल, पैराट्रूपर गजेंद्र सिंह की शहादत से गमगीन हुआ देश

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ लोहा लेते हुए भारतीय सेना के स्पेशल फोर्सेज (ए) का एक पैराट्रूपर शहीद हो गया है। सोमवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि चतरू बेल्ट के घने जंगलों में जैश–ए–मोहम्मद के आतंकवादियों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में हवलदार गजेंद्र सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। इलाके में अभी भी 2–3 आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है, जिसके लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

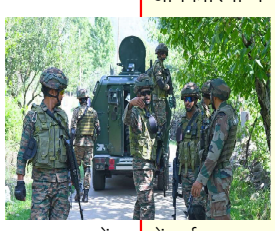

### कश्मीर के किश्तवाड़ में मुठभेड़

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में एक मुठभेड़ में भारतीय सेना के स्पेशल फोर्सेज के एक पैराट्रूपर की मौत हो गई, और इलाके में सर्च ऑपरेशन दूसरे दिन भी जारी है। जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। यह मुठभेड़ रविवार को चतरू बेल्ट में मंडराल–सिंहपोरा के पास सोनार गांव में हुई, जब इलाके में पाकिस्तान स्थित जैश–ए–मोहम्मद (श्रमड) के कुछ आतंकवादियों के बारे में खास जानकारी मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा अचानक ग्रेनेड फेंकने से आठ जवान घायल हो गए, और कहा कि मुश्किल इलाका होने के कारण ऑपरेशन मुश्किल हो गया है।

## कुलदीप सिंह सेंगर को फिर नहीं मिली राहत

### उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की मौत के मामले में सजा निलंबित करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से संबंधित मामले (कुलदीप सिंह सेंगर बनाम केंद्रीय जांच ब्यूरो) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति रविंदर दुडेजा ने कहा कि सेंगर 10 साल की सजा में से लगभग 7.5 साल हिरासत में बिता चुके हैं और इस मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पर फैसला आने में देरी हुई है। यह देरी आंशिक रूप से सेंगर द्वारा दायर की गई कई याचिकाओं के कारण हुई है। इसलिए, उन्होंने जमानत और सजा के निलंबन की याचिका खारिज कर दी। उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता को सेंगर के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था और 9 अप्रैल, 2018 को पुलिस की बर्बरता के कारण हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई। मार्च 2020 में दिल्ली की एक अदालत ने सेंगर और अन्य को उनकी मृत्यु के लिए दोषी ठहराया और 10 साल की कैद की सजा सुनाई। गौरतलब है कि जून 2024 में उच्च न्यायालय ने सेंगर की इसी तरह की याचिका खारिज कर दी थी। न्यायालय ने तब कहा था कि अपराध की गंभीरता, अपराध की प्रकृति, दोषी का आपराधिक इतिहास और न्यायपालिका में जनता के विश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए, सेंगर सजा निलंबन के हकदार नहीं है। उन्नाव बलात्कार पीड़िता, जो एक नाबालिग थी, को कथित तौर पर 11 जून से 20 जून, 2017 के बीच सेंगर द्वारा अगवा कर बलात्कार किया गया था। इसके बाद उसे 60,000 रुपये में बेच दिया गया था। पीड़िता को सेंगर के निर्देशानुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार धमकाया गया और चुप रहने की चेतावनी दी गई। इस मामले में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब बिना नंबर प्लेट वाली एक लॉरी ने पीड़िता की कार को टक्कर मार दी। पीड़िता और उसके वकील गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उसकी दो चाचियों का निधन हो गया। अगस्त 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव बलात्कार मामले से संबंधित चार मामलों की सुनवाई दिल्ली स्थानांतरित कर दी और आदेश दिया कि सुनवाई प्रतिदिन के आधार पर की जाए और 45 दिनों के भीतर पूरी की जाए। दिसंबर 2019 में सेंगर को नाबालिग पीड़िता के साथ बलात्कार और पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में दोषी ठहराया गया। उसे बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास और हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई।

## बीजेपी को मिला नया बॉस!

### नितिन नबीन निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष, आज होगी ताजपोशी, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद एकमात्र प्रस्तावित नाम होने के कारण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भाजपा संगठन पर्व के राष्ट्रीय प्रतिवेदक डॉ. के. लक्ष्मण के अनुसार, नामांकन वापस लेने की अवधि समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नाम – नितिन नबीन का – प्रस्तावित किया गया था। पार्टी ने पुष्टि की कि उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट जमा किए गए थे, और इस पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार का नाम प्रस्तावित नहीं किया गया था। लक्ष्मण ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नाम वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद, भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में, मैं यह घोषणा करताध्करती हूँ कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नाम, नितिन नबीन का नाम प्रस्तावित किया गया है। 45 वर्षीय नबीन को 14 दिसंबर, 2025 को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वे राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा का स्थान लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित शीर्ष नेताओं ने उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया है। 20 जनवरी, 2026 को सुबह 11:30 बजे होने वाला यह सत्ता हस्तांतरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में होगा। दिवंगत भाजपा नेता और पूर्व विधायक नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र नवीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और राज्य सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं। आरएसएस से जुड़े होने के कारण पार्टी के भीतर उन्हें एक संगठनात्मक रूप से मजबूत और वैचारिक साख रखने वाले नेता के रूप में देखा जाता है, जो भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है। अपने मजबूत जमीनी समर्थन के लिए जाने जाने वाले नबीन ने लगातार विधानसभा चुनावों (2010, 2015, 2020 और 2025) में यह सीट जीती है, साथ ही 2006 में उपचुनाव में भी जीत हासिल की थी।

## मुंबई में बीएमसी मेयर की जंग तेज

### संजय राउत बोले- होटल बना जेल, शिंदे के पार्षद कैद

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने सोमवार को आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अपने विजयी उम्मीदवारों को मुंबई के एक होटल में कैदियों की तरह कैद कर रखा है। उन्होंने सवाल उठाया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा किस बात से डर रहे हैं? शिवसेना यूबीटी सांसद की ये टिप्पणियां उनके पहले के दावों के बाद आई हैं, जिनमें उन्होंने कहा था कि पार्षदों में कई नए चेहरे गैर–भाजपा नेता का समर्थन कर रहे हैं। राउत ने सवाल किया कि नरेंद्र मोदी भाजपा के मेयर को चाहते हैं, लेकिन उन्होंने इसका कारण नहीं बताया। भाजपा को पूर्ण जनादेश नहीं मिला है। शिंदे सेना के विजयी उम्मीदवारों को ताज लैंड्स एंड होटल में लगभग कैदियों की तरह रखा गया है। होटल जेल में बदल गया है। महाराष्ट्र में केंद्र सरकार और एक मजबूत मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस होने के बावजूद, ये पार्षद बंद हैं। वे इतने डरे हुए क्यों हैं?मुंबई में बीएमसी महापौर पद के लिए संभावित खींचतान के बीच होटल राजनीति की वापसी के चलते, शिवसेना (यूबीटी) ने एकनाथ शिंदे पर होटलों को ष्जेलष में बदलने का आरोप लगाया है। हालांकि, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने रविवार को मुंबई के एक होटल में पार्टी के नवनिर्वाचित पार्षदों से मुलाकात की और कहा कि बीएमसी महापौर महायुति समुदाय से ही होंगे। बीएमसी में भाजपा के सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद महाराष्ट्र में विपक्ष ने शिंदे पर निशाना साधा है। हालांकि एमएनएस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही शिवसेना (यूबीटी) ने शिंदे गुट से अधिक जनादेश प्राप्त करते हुए 65 सीटें जीतीं, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मुंबई की जनता ने उन्हें ष्आईना दिखा दिया है और इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि कौन सा गुट ष्असली शिवसेनाष का प्रतिनिधित्व करता है।

## लद्दाख में 5.7 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के कारण किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11रू51 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक भूकंप से संबंधित किसी भी प्रकार की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

## केरल से राहुल गांधी का बीजेपी पर बड़ा हमला

### कहा– ये लोग जनता की आवाज सुनना ही नहीं चाहते

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जनता से चुप्पी न साधने का आग्रह करते हुए कहा कि निःसंकोच संस्कृति में लालच का विचार गहराई से समाया हुआ है। राहुल गांधी ने कलामस्सेरी में एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रियदर्शनी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया। कोच्चि में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में हम ऐसे लोगों को देखते हैं जो किसी बात पर विश्वास तो करते हैं लेकिन उसे कहने का साहस नहीं रखते। लेकिन महान राष्ट्र मौन में नहीं बनते। महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं जब वे अपने विचार और राय व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं। गांधी ने कहा कि मौन संस्कृति में लालच का विचार भी गहराई से समाया हुआ हैरू मुझे जो चाहिए वह मिल रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों को अपमानित होते हुए, लोगों की हत्या होते हुए, लोगों को मरते हुए देख सकता हूं। जब तक मैं ठीक हूं, सब ठीक है। यही लालच की संस्कृति है। लोकसभा के विपक्ष के नेता ने कोच्चि के मरीन ड्राइव में पार्टी के निर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। राहुल ने कहा कि मैं स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के लिए शानदार परिणाम दिए। ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत, जिला परिषद, नगरपालिका और नगर निगमों सहित सभी स्तरों पर हमारा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मैं विशेष रूप से प्रसन्न हूँ क्योंकि पंचायतें, जो सरकार का तीसरा स्तर हैं, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव हैं। यदि हम संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें पंचायतों और नगर पालिकाओं की रक्षा करनी होगी। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का विचार कांग्रेस पार्टी का ही था। संविधान का मूल सिद्धांत ष्एक व्यक्ति, एक वोटष है। और इसका मतलब यह है कि देश के संचालन में प्रत्येक भारतीय नागरिक की आवाज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप भाजपा और आरएसएस तथा हम, कांग्रेस पार्टी, के बीच के अंतर को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि वे सत्ता के केंद्रीकरण के पक्षधर हैं, जबकि हम सत्ता के विकेंद्रीकरण के पक्षधर हैं। वे भारत की जनता से अंधाधुंध आज्ञापालन चाहते हैंय वे भारत की जनता की आवाज सुनना ही नहीं चाहते। ग पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने कहा, ष्केरल के कोचीन हवाई अड्डे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।ष केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान, एआईसीसी महासचिव वेणुगोपाल और अन्य पार्टी नेता भी महापंचायत में मौजूद हैं।

## करीब 10 लाख रुपये की 1.3 किलोग्राम अफीम बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

बरेली जिले के सिरौली थानाक्षेत्र में पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) की साझा टीम ने कीटनाशक की एक दुकान पर छापा मारकर चार कथित तस्करों को 1.3 किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि बरामद अफीम की कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। सिरौली के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विनोद कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवेन्द्र, गुड्डू, पप्पू और सुनील पाल के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि दुकानदार सुनील पाल दिव्यांग है, इसके बावजूद उसके माध्यम से अफीम की तस्करी कराई जा रही थी। थाना प्रभारी के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि बरामद अफीम आंवला क्षेत्र के गिरधपुर गांव के गुड्डू और पप्पू लेकर आए थे, जो कैरियर के रूप में काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार एसओजी और सिरौली थाने को क्षेत्र में अफीम तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी जिसके आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाया और लभारी निवासी के देवेंद्र से अफीम का सौदा तय किया। पुलिस का कहना है कि तय योजना के अनुसार गुलड़िया में रुखाड़ा निवासी सुनील पाल की कीटनाशक की दुकान पर अफीम की डिलीवरी होनी थी, ऐसे में जैसे ही देवेंद्र अफीम लेकर दुकान पर पहुंचा, पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

## डीएमके का बीजेपी पर बड़ा आरोप: अभिनेता विजय को धमकाया जा रहा, पाला बदलने का बना रहे दबाव

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के नेता टीकेएस एलंगोवन ने सोमवार को आरोप लगाया कि तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता विजय पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेशी के बाद राजनीतिक दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। एलंगोवन ने एएनआई को बताया कि वे (भाजपा) विजय को धमका रहे हैं, और यह बात जनता को सर्वविदित है। उन्होंने जना नायकन को सेंसर सर्टिफिकेट नहीं दिया है और जानबूझकर इसमें देरी कर रहे हैं। उनका इरादा विजय पर दबाव डालकर उन्हें अपने पक्ष में करना है। भाजपा एक वॉशिंग मशीन की तरह है। वे किसी पर कुछ आरोप लगाते हैं, और फिर अगर वह व्यक्ति उनके साथ जुड़ जाता है, तो वे सारे आरोप वापस ले लेते हैं। वे अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता विजय अभिनीत तमिल फिल्म श्जना नायकनश के निर्माताओं द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी, जिसने फिल्म के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को रोक दिया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने मामले की सुनवाई की और मद्रास उच्च न्यायालय को 20 जनवरी तक इस मामले पर फैसला सुनाने का निर्देश दिया। यह याचिका फिल्म के निर्माता, केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी द्वारा दायर की गई थी।

## कश्मीर में शीतलहर से थोड़ी राहत मिली, 'चिल्ला-ए-कलां' का दौर अब भी जारी

कश्मीर घाटी में पिछले कई दिनों से जारी भीषण शीतलहर की स्थिति में सोमवार को मामूली सुधार देखा गया। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, घाटी के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कुछ डिग्री की वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय निवासियों को जमा देने वाली ठंड से थोड़ी राहत मिली है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां और पुलवामा शहरों में न्यूनतम तापमान क्रमशः शून्य से 4.7 डिग्री और 5.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में स्थित पहलगाम पर्यटक स्थल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में रात का तापमान गिरकर शून्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच गया।

अधिकारियों ने बताया कि घाटी का प्रवेश द्वार माने जाने वाले शहर काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

### श्रीनगर में तापमान का उतार–चढ़ाव

जम्मू–कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में रविवार की रात न्यूनतम तापमान शून्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। यह पिछले शनिवार की तुलना में काफी बेहतर है, जब पारा गिरकर शून्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया था। हालांकि तापमान अभी भी जमाव बिंदु (थतमम्रपदह च्वपदज) से नीचे बना हुआ है, लेकिन 3.5 डिग्री के इस उछाल ने सुबह के समय होने वाली ठिठुरन को कम किया है। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित पर्यटक स्थल सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया और यह घाटी में अब तक का सबसे ठंडा स्थान रहा।

## ए आई एम आई एम पाटह्र के नेतृत्व में संगठन को मजबूती देने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बस्ती/रुधौली।** ।ड्ड पार्टी के नेतृत्व में संगठन को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा शतरंजीवन को जिला सचिव पद पर नियुक्त करते हुए पूरे मंडल का कार्यभार सौंपा गया है। उन्हें पार्टी के संगठनात्मक विस्तार, जनसंपर्क तथा प्रचार–प्रसार की जिम्मेदारी दी गई है। इस नियुक्ति को आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक सशक्तिकरण के लिहाज से अहम माना जा रहा है। नियुक्ति के बाद आयोजित बैठक में पार्टी के जिला सचिव सतेंद्र चौरसिया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास जताया है, वह उस पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों के अनुरूप कार्य करते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और आम जनता की समस्याओं को मंच तक पहुंचाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। सतेंद्र चौरसिया ने आगे कहा कि पार्टी सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करती रही है और आगे भी मजबूती से जनता की आवाज बनेगी। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने नई जिम्मेदारी मिलने पर शतरंजीवन को बधाई दी और संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई।

## अपर आयुक्त न्यायिक मीनू राणा ने महिला जनसुनवाई में भूमि, पुलिस व पारिवारिक विवादों पर दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

**गोन्डा।** गोण्डा जनपद में मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को आयोजित विशेष महिला जनसुनवाई में अपर आयुक्त न्यायिक मीनू राणा ने महिलाओं की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आई कुल 12 महिलाओं ने अपनी व्यक्तिगत, पारिवारिक ,राजस्व, पुलिस एवं भूमि विवाद से जुड़ी समस्याएं अपर आयुक्त न्यायिक के समक्ष प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं ने पारिवारिक विवाद, भूमि पर अवैध कब्जा से जुड़े मामलों सहित अन्य मामलों से सम्बन्धित समस्याओं को अपर आयुक्त के समक्ष रखा।अपर आयुक्त न्यायिक मीनू राणा ने सभी प्रकरणों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित मामलों की वस्तुस्थिति की जानकारी ली और स्पष्ट किया कि महिलाओं की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी समाधान शासन की प्राथमिकता है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जनसुनवाई में थाना इटियाथोक क्षेत्र के ग्राम अयाह निवासी धनपता पत्नी रामधीरज ने बैनामा की भूमि पर फर्जी दानपत्र कराने का आरोप लगाया। प्रार्थिनी ने बताया कि वर्ष 2019 में उन्होंने विपक्षी से 0.081 हेक्टेयर भूमि का विधिवत बैनामा कराया था और वह भूमि पर वैध रूप से काबिज हैं। आरोप है कि विपक्षी ने उसी भूमि का कूटरचित तरीके से दान–पत्र अपनी पत्नी के नाम पंजीकृत करा लिया।पीड़िता के अनुसार 29 अक्टूबर 2025 को जबरन कब्जा करने का प्रयास किया गया तथा गाली–गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की।इसी क्रम में थाना खरगूपुर क्षेत्र के ग्राम परसा फरेंदा शुक्ल निवासी जैनब पत्नी लतीफ ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई और अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया।पीड़िता ने बताया कि खेत में बकरियां घुसने को लेकर हुए विवाद के बाद डायल 112 पर सूचना देने पर चौकी पिपरा बाजार पुलिस ने उन्हें बुलाकर शांति भंग की एकतरफा कार्रवाई की। आरोप है कि चौकी प्रभारी द्वारा गाली–गलौज किए जाने से उन्हें मानसिक पीड़ा हुई। उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।तहसील मनकापुर के ग्राम सैदापुर जमालजोत निवासी ऊषा देवी पत्नी देवेंद्र प्रसाद ने चकरोड संख्या 404 पर लगे पेड़ों के कारण आवागमन बाधित होने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि चकरोड पर पेड़ों के कारण खेती–बाड़ी प्रभावित हो रही है। वन विभाग द्वारा मूल्यांकन कर आख्या तहसीलदार को भेजे जाने के बावजूद कटान न होने से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। उन्होंने चकरोड खाली कराने की मांग की।वहीं तहसील तरबगंज के ग्राम गढ़ी निवासी कबूतरा पत्नी गोपी ने पट्टा भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि विपक्षी जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं तथा विरोध करने पर जान–माल की धमकी दी जा रही है। प्रार्थिनी ने आयुक्त से विपक्षीगण के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए ताकि विपक्षीगण उनकी भूमि पर कब्जा न कर सके न। जनसुनवाई के उपरांत अपर आयुक्त न्यायिक मीनू राणा ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद महिलाओं को न्याय दिलाने का एक प्रभावी और भरोसेमंद मंच बनकर उभर रहा है।

## उ0प्र0 ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ शाखा बढ़नी का अध्यक्ष चुने गये वीरेन्द्र कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई

कर्मचारी संघ द्वितीय की ब्लॉक शाखा बढ़नी का चुनाव सोमवार को विकास खण्ड बढ़नी सभागार में सम्पन्न हुआ। जिसमें उपस्थित सफाई कर्मचारियों द्वारा सर्व सहमति से वीरेन्द्र कुमार को निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष व धर्मराज को मंत्री पद पर चुना गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक विकास खण्ड बढ़नी का द्विवार्षिक अधिवेशन/चुनाव संघ के जिला संगठन मंत्री हिन्देश कुमार राव की अध्यक्षता में सर्व सहमति से ब्लॉक अध्यक्ष पद पर वीरेन्द्र कुमार, मंत्री पद पर धर्मराज, कोषाध्यक्ष पद पर राजेश कुमार, संगठन मंत्री पद पर शंकर और संप्रेक्षक पद पर अनूप कुमार गौतम, आदि सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया। संघ के जिला संगठन मंत्री हिन्देश कुमार राव ने नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारियों को फूलमाला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। सभागार में उपस्थित संघ के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की। उक्त अवसर पर संघ के जिला संगठन मंत्री हिन्देश कुमार राव, सच्चिदानन्द , अजय बहादुर, नितेश कुमार, हरिश्चन्द्र चौधरी, प्रेम प्रकाश चौबे, कुबैर, जितेन्द्र बहादुर सिंह, महबूब आलम, गोविन्द कुमार, राम नरेश, सुभाष भारती, जगदीश, शिव कुमार, राज देव, भागीरथी आदि लोग उपस्थित रहे।

## डॉ0 विनोद कुमार सिंह की भावभीनी विदाई हेतु शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विदाई समारोह आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ0 विनोद कुमार सिंह के स्थानान्तरण पर सोमवार को महाविद्यालय परिवार द्वारा लोअर हॉल में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। डॉ0 विनोद कुमार सिंह का स्थानान्तरण के0जी0के0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरादाबाद में हुआ है, जहां वे कल से अपने नवीन दायित्व का कार्यभार ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 अरविन्द कुमार सिंह ने की। उन्होंने डॉ0 विनोद कुमार सिंह के शैक्षणिक योगदान, अनुशासनप्रियता और विभागीय नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें भगवतगीता, शाल और मोमेन्टो भेंटकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि डॉ0 विनोद कुमार सिंह का योगदान महाविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा को सुदृढ़ करने में उल्लेखनीय रहा है। रसायन विज्ञान विभाग के वर्तमान प्रभारी डॉ0 अजय सिंह ने डॉ0 विनोद कुमार सिंह को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंटकर भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं ने केक काटकर अपने प्रिय शिक्षक को शुभकामनाएं दीं। वहीं कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 ए0के0 सिंह, डॉ0 अमित सिंह, डॉ0 रामकिशोर सिंह, डॉ0 अखिलेश शर्मा, डॉ0 प्रवीण कुमार, रमेश, पंकज कुमार सिंह, रत्नेश सोनी, शमशीरुल इस्लाम, अश्वनी सिंह, राजीव मिश्रा, राजकुमार सोनकर सहित बीएससी के अनेक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह में वक्ताओं ने डॉ0 विनोद कुमार सिंह के सरल स्वभाव, अनुशासित कार्यशैली और विद्यार्थियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन आत्मीयता और शुभकामनाओं के साथ हुआ।

## कांग्रेसियों ने मणिकर्णिका घाट को ध्वस्त करा दिये जाने के विरोध में राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। भाजपा सरकार द्वारा विगत 10 जनवरी 2026 को वाराणसी के ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को अचानक ध्वस्त करा दिये जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन डुमरियागंज तहसील में नायब तहसीलदार विष्णु प्रताप सिंह को सौंपा। जिसमें उनसे इस लापरवाही की पूरी जांच कराकर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग एवं मणिकर्णिका घाट का पुनर्निर्माण, माता अहिल्याबाई होलकर जी की मूर्ति स्थापना एवं घाटों के सौन्दर्यीकरण का कार्य काशी के सम्मानित धर्माचार्यों एवं काशीवासियों के साथ विचार–विमर्श के उपरान्त ही कराया जायें। इस अवसर पर कांग्रेस उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष रियाज मनिहार ने कहा कि मणिकर्णिका घाट का जीर्णोद्धार वर्ष 1791 में माता अहिल्याबाई होलकर जी द्वारा करवाया गया था। यहां पर स्थापित माता अहिल्याबाई होलकर जी की पवित्र और ऐतिहासिक मूर्तियां भी ध्वस्तीकरण के पश्चात मणिकर्णिका घाट के मलबे में दबी पड़ी है। हम सभी कांग्रेस जन इस शर्मनाक और अप्रतिष्ठित कार्य की कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं। इस अवसर पर जिला महासचिव आसिफ रिजवी, सचिव अर्जुन कन्नौजिया, राजेश कुमार, तुलसीराम यादव, रमेश चन्द्र, भल्लू सन्तराम गौतम आदि उपस्थित रहें।

## पुलिस ने महिलाओं सम्बन्धी बहू–बेटी सम्मेलन, साइबर जागरुकता, नारी सम्मान, स्वालम्बन आदि के बारें में औरहवा की महिलाओं/बालिकाओं को दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी एवं थानाध्यक्ष ढेबरूआ नरायन लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में सोमवार को मिशन शक्ति, साइबर क्राइम व मिशन शक्ति केन्द्र, बहू–बेटी सम्मेलन एवं नये कानून के सम्बन्ध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत के ग्राम औरहवा में सम्बन्धी बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्न हेल्पलाइन नम्बर, कानूनों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये अभियान के तहत जागरुक किया गया। वहीं महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान थाना ढेबरुआ की मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार, महिला कांस्टेबल मीरा रानी, महिला कांस्टेबल श्रद्धा त्रिपाठी मौजूद रहीं।

## ब्लैक स्पाट्स का अधिकारियों की टीम द्वारा किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देश पर 31 जनवरी 2026 तक जनपद में संचालित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अन्तर्गत अधिकारियों की टीम द्वारा जनपद बहराइच में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण किया गया। ए.आर.टी.ओ. ने बताया कि सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग अंकित वर्मा, सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) प्रदीप कुमार व यातायात प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार मिश्रा द्वारा बहराइच–सीतापुर मार्ग पर ब्लैक स्पॉट्स बेड़नापुर, रमवापुर एवं भगवानपुर चौराहा, बहराइच लखनऊ मार्ग पर स्थित ब्लैक स्पॉट्स टिकोरा मोड़ व मरौचा का निरीक्षण किया गया। ए.आर.टी.ओ. ने बताया कि अधिकारियों के निरीक्षणोंपरान्त सम्बन्धित ब्लैक स्पॉट्स पर आवश्यकतानुसार प्रकाश, मार्ग चौड़ीकरण, स्पीड ब्रेकर, स्पीड टेबल साइन बोर्ड इत्यादि की स्थापना का कार्य कराया जायेगा जिससे मार्ग दुर्घटनाओं की संभावना को न्यून से न्यूनतम किया जा सके।

## ग्राम पंचायत रोईनिहवा में ठेकेदारी प्रथा से हुए विकास कार्यों में बड़ा गोलमाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद जिम्मेदारों के मिलीभगत से ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर हो

रहे भ्रष्टाचार रुकने का नाम नही ले रहा है। सूत्रों की मानें तो विकास खण्ड बढ़नी क्षेत्र के ग्राम पंचायत घोरही उर्फ रोईनिहवा में जहां ग्राम प्रधान, सचिव एमबी करने वाले जेई व ठेकेदार के आपसी गठजोड़ से सरकारी धन का बन्दरबांट करने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं पिछले पांच वर्षों में होने वाले विकास कार्यों पर नजर डाले तों गांवों में विकास के नाम पर कुछ लोगों के निजी खातों व फर्म के नाम पर सरकारी धन का बन्दरबांट किया गया है। उक्त ग्राम पंचायत में बड़े पैमाने पर अनियमितता हुई है और विकास के नाम पर सरकारी धन का बन्दरबांट किया गया है। ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, तकनीकी सहायक समेत अन्य अधिकारियों की मिलीभगत से मनरेगा, पंचायत निधि और अन्य विकास कार्यों में भारी अनियमितता व हेरफेर कर धांधली करने का मामला प्रकाश में उजागर हो रहा है। पंचायत भवन में लाइब्रेरी, इन्टरलाकिंग, मिट्टी कार्य, नाली, खड़ञ्जा, स्कूल मरम्मत, दवा छिड़काव, साफ सफाई, एमडी एम शेड, नाली ढक्कन आदि विकास के नाम पर ग्राम प्रधान व सचिव ने निर्माण कार्यों में वास्तविक खर्च से कहीं अधिक भुगतान व अनियमितता कर सरकारी धन का बन्दरबांट किया गया है। वहीं कुछ ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में होने वाले इन विकास कार्यों की जांच होनी चाहिए।

## अधिवक्ता पर हमले का मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। गुरुवार की रात्रि को अधिवक्ता सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव पर हमला कर लूट करने वाला मुख्य आरोपी पुलिस पकड़ से दूर है।सोमवार को न्यायालय परिसर में सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता गण एकत्रित होकर पुलिस पर आरोपी को बचाने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी किया,कलेक्ट्रेट परिसर में डी एम बलरामपुर के अनुपस्थित में ए डी एम बलरामपुर को ज्ञापन सौंपा, दि कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष रमेश चंद्र त्रिपाठी और महामंत्री कमलेश्वर सिंह ने बताया कि हमारे अधिवक्ता साथी पर हुए हमले का मुख्य आरोपी पुलिस पकड़ से दूर है,कोतवाली की पुलिस गिरतारी करने में हीला हवाली कर रही है,पुलिस अधीक्षक पर राजनीतिक दबाव का आरोप लगाते हुए उनके तबादले की मांग किया।उन्होंने कहा कि पुलिस संबंधित धाराओं में दर्ज मुकदमे में आखिर क्यों नही मुख्य आरोपी को गिरतार कर रही है।यदि हमारी मांगों को नही माना गया तो अनिश्चित कालीन कलम बंद हड़ताल रहेगा ,जरूरत पड़ी तो सड़क भी जाम किया जाएगा,जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महामंत्री ने तुलसीपुर और उतरौला बार एसोसिएशन से हड़ताल में सहयोग मांगा है।सोमवार को धरना प्रदर्शन में जिला युवा अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला,अधिवक्ताअमित पांडेय,अजीत शुक्ला,पवन कुमार,सहित भारी संख्या में अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

## सेहरी ईस्टेट कुंवर विक्रम सिंह ने महाराणा प्रताप सिंह को अर्पित की श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। महान वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को सेहरी इस्टेट स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला सहकारी बैंक समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता कुंवर विक्रम सिंह ने महाराणा प्रताप सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कुंवर विक्रम सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप सिंह त्याग, बलिदान, शौर्य और स्वाभिमान की जीवंत मिसाल थे। उन्होंने घास की रोटी खाकर और पानी पीकर जीवन व्यतीत करना स्वीकार किया, लेकिन किसी भी परिस्थिति में विदेशी या अत्याचारी शासन की पराधीनता स्वीकार नहीं की। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप सिंह ने अपने अद्भुत पराक्रम और अटूट राष्ट्रभक्ति से यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करना ही सच्चा धर्म है। उनका जीवन चरित्र आज भी देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। महाराणा प्रताप द्वारा चुना गया स्वाधीनता का मार्ग आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और संकल्प की ऊर्जा प्रदान करता रहेगा। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप सिंह के बलिदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

# एसडीएम एवं तहसीलदार ने बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ के कार्यों को देख दिये आवश्यक निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत रविवार को बूथ दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें तहसील क्षेत्र शोहरतगढ़ के सभी बूथों पर बीएलओ सुबह 10रू45 बजे से उपस्थित रहकर शाम 4रू30 बजे तक कार्य में डटे रहे। बीएलओ अपने गांव बूथ के मतदाताओं को बूथ केन्द्र पर आमन्त्रित कर वोटर लिस्ट में परिवार के शामिल मतदाताओं के नाम की जानकारी लेने और छूटे हुए लोगों के मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की जानकारी दी। छुटे हुए पात्र मतदाताओं के फॉर्म 6 भरने का कार्य बीएलओ द्वारा किया गया। बीएलओ ने फॉर्म की फीडिंग निर्धारित एप्प पर भी किया। बूथों पर तैनात बूथ लेवल ऑफीसरों ने विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए से भी सम्पर्क कर अधिक से अधिक मतदाता बनाने और छुटे हुए पात्र मतदाताओं के फॉर्म को भरवाने के लिए सहयोग करने को कहा। विशेष बूथ दिवस पर बूथों का निरीक्षण उप जिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्रा, तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव ने कठेला शर्की, नायब तहसीलदार मंजूर अंसारी व सुपरवाइजरों ने किया। रविवार को एसडीएम विवेकानन्द मिश्र ने तहसील क्षेत्र के बूथ संख्या 267, 268, 269 व 270 पूर्व माध्यमिक विद्यालय शोहरतगढ़ अमित कुमार चौधरी, राकेश,

का औचक निरीक्षण करते हुए बूथ पर कार्य कर रहे बीएलओ सुषमा व सकीना से पूछताछ करते हुए फॉर्म 6 के भरे जाने की प्रगति के बारें में पूछताछ किया। फार्म के साथ लिए जाने वाले दस्तावेजों की भी जांच की। साथ ही साथ जिन मतदाताओं के वोटर लिस्ट में अंकित नाम में किसी प्रकार की त्रुटि है तो उन्हें भी आवेदन करने के लिए निर्देशित किया। एसडीएम ने यह भी कहा कि फॉर्म 6 को भरते समय जन्म तिथि के प्रमाण के तौर पर आधार कार्ड मतदाता से लेते हुए आवेदन की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाये। यदि कहीं पर दिक्कत आती है तो तहसील के वोटर रजिस्ट्रेशन सेन्टर से सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने बूथ संख्या 250 नकथर पर पहुंच कर बीएलओ केशव यादव से कार्य की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिया। वोटर रजिस्ट्रेशन सेन्टर के ऑपरेटर सीपी सिंह, मुख्तार अहमद आदि द्वारा शाम के समय तहसील क्षेत्र के विभिन्न बूथों के बीएलओ द्वारा एकत्रित किए गये फॉर्म 6, 7 व 8 के प्रगति की रिपोर्ट भी लिया गया। क्षेत्र के बूथ संख्या 169 महला पर अनिरुद कुमार, बूथ संख्या 40 ढेबरुआ पर आशुतोष मिश्रा व बूथ संख्या 41 रेकहट पर रामसूरत यादव आदि अन्य बीएलओ अपने अपने बूथों पर बैठकर कार्य करते हुए फार्म 6, 7 व 8 भरकर मतदाता सूची से जुड़े कार्यों को पूरा करने में लगे रहे।

# नेपाल से लौट रहे श्रद्धालुओं का टेम्पों पलटा, 06 श्रद्धालु घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मौनी अमावस्या के अवसर पर थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के इमिलिया जुनूबी के लगभग 15 श्रद्धालु नेपाल के त्रिवेणी स्थित नारायणी नदी में स्नान करने गये थे। आपको बता दें कि सभी श्रद्धालु रविवार को शाम करीब 6 बजे टेम्पों से लौट रहे थे कि अचानक उनके गावं से कुछ ही दूर पहले कोटिया बाजार में उनका वाहन टैम्पों पलट गया। जिसमें 55 वर्षीय कृष्णा यादव, 56 वर्षीय नर्वदेश्वर पाण्डेय, 42 वर्षीय विमला, 50 वर्षीय बासमती, 40 वर्षीय संगीता व 45 वर्षीय संवारी घायल हो गये। वहीं हादसे की सूचना पाकर उनके गांव के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को सीएचसी शोहरतगढ़ ले गये, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। आपको बता दें कि मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर रेफर के बावजूद सभी घायलों का इलाज सिसवा चौराहे के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

# विधायक विनय वर्मा ने बीएमसी में भाजपा की जीत पर दी बधाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। हाल ही में हुए मुम्बई बीएमसी चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने प्रसन्नता जाहिर की है। मुम्बई के मलाड़ से भाजपा उम्मीदवार योगेश वर्मा के भारी मतों से विजयी होने पर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विधायक विनय वर्मा ने कहा कि इस जीत से भाजपा व एनडीए के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। विधायक विनय वर्मा ने मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित राष्ट्र व समाज के लम्बे पिछड़े लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य किया है। वहीं मुम्बई के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विश्वास जताते हुए यह साबित कर दिया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में उप्र में एनडीए की सरकार फिर बनेगी।

# सेमीफाइनल मैच जीतकर फाइनल में पहुंची किंग इलेवन

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के नडौरा गांव में चल रहे नड़ौरा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को

सेमीफाइनल मैच किंग इलेवन नरौड़ा और साहिल इलेवन अलीगढ़वा के बीच खेला गया, जिससे साहिल इलेवन की टीम ने टास जीतकर किंग इलेवन को बल्लेबाजी करने के लिए आमन्त्रित किया। किंग इलेवन की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 111 रन बनाया। किंग इलेवन टीम के बल्लेबाज सन्तोष ने 31 रन और अनुराग ने 50 रनों की शानदार पारी खेली। साहिल इलेवन टीम के गेंदबाज मोहसिन को 03 विकेट मिला। वहीं किंग इलेवन की टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी टीम को 112 रन का लक्ष्य दिया। दूसरे पारी में 112 रनों के लक्ष्य का सामना करने आयी साहिल इलेवन की टीम महज 36 रन ही बना पायी और पूरी टीम आल आउट होकर हारने का मुंह देखना पड़ा। किंग इलेवन के तरफ से सन्तोष और आशीष ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 04–04 विकेट झटके। वहीं सन्तोष के शानदार आल राउण्डर प्रदर्शन के कारण मैन ऑफ द मैच चुना गया। जिससे शानदार जीत अपने खेमें में लेते हुए किंग इलेवन की टीम फाइनल मैच में अपनी जगह पक्की कर ली। नडौरा प्रीमियर लीग टूर्नामेंट के आयोजक विवेक कुमार उपाध्याय व कमेटी के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय ने बताया कि आज मंगलवार को फाइनल मैच खेला जायेगा और मंगलवार को एक सेमीफाइनल मैच और खेला जायेगा जों टीम उसमें विजेता होगी तो वहीं टीम किंग इलेवन के साथ फाइनल मैच खेलेगी। खेल का मैदान क्रिकेट प्रेमियों खचाखच भरा हुआ था। मैच को रोमांचक बनानें के लिए अमित कुमार उपाध्याय द्वारा शानदार कमेन्ट्री किया गया।

# अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में मौत, हत्या की जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र उसका बाजार अन्तर्गत एक अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी है, जिसकी हत्या की अशंका जताई जा रही है। आपको बता दें कि थाना क्षेत्र उसका बाजार अन्तर्गत रविवार रात्रि में तालभिरौना गांव के समीप सड़क के किनारे एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से आस–पास के लोगो में हड़कम्प मचा है। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक व्यक्ति की पहचान 50 वर्षीय चन्द्रबली लोधी उर्फ सरदार लोधी निवासी तालभिरौना गांव के रूप में हुई है। परिजनों के तहरीर के आधार पर उसका बाजार पुलिस ने उचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर जांच में जुटी है। वहीं घटना के सम्बन्ध में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद ने कहा कि लोगों के बयान में कुछ संदिग्ध लोगों का नाम प्रकाश में आया है, शीघ्र ही हत्या के आरोपियों को पकड़कर घटना का खुलासा किया जायेगा।

# मनरेगा में हो रहा खुला खेल और बांसी ब्लाक है कटघरे में

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बांसी के ग्राम पंचायत सनफेरवा खुर्द में मनरेगा योजना के तहत हो रहे कार्यों को लेकर गम्भीर आरोप सामने आये हैं। वहीं ग्रामीणों व स्थानीय सूत्रों के मुताबिक आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य पहले ही पूर्ण हो चुका है, इसके बावजूद ऑनलाइन उपस्थिति में 33 मजदूरों की हाजिरी दिखाकर भुगतान निकालने का खेल चल रहा है। सूत्र बताते हैं कि मजदूरों को खड़ा कर सिर्फ फोटो खिंचवाई जाती है, जबकि वास्तविक कार्य धरातल पर दिखाई नहीं देता। यह पूरा मामला मनरेगा की पारदर्शिता और उद्देश्य पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। सवालों के घेरे में ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान, जेई और एडीओ पंचायत मनरेगा में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों पर है, उन्हीं की भूमिका पर अब गम्भीर प्रश्न चिह्न लग रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लॉक स्तर पर निगरानी तन्त्र पूरी तरह निष्क्रिय है, जिससे फर्जी हाजिरी और कागजी कार्यों के सहारे सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या एडीओ पंचायत की भूमिका संदिग्ध है? वहीं स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज है कि एडीओ पंचायत बांसी लम्बे समय से एक ही ब्लॉक में तैनाती का लाभ उठाते हुए व्यवस्थाओं पर पकड़ बनाये हुए हैं। आरोप यह भी है कि ब्लॉक के जिम्मेदारों की कथित मिलीभगत के चलते ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार निर्बाध रूप से जारी है। अब प्रश्न उठता है कि कौन करेगा कार्रवाई? जब निगरानी करने वाले ही सवालों के घेरे में हों, तो फिर जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी कौन निभायेगा? ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी, सीडीओ और शासन स्तर से निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई हो सके।

# विद्यालय का ताला काटकर चोरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।जनपद के कठेला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत धोबहा में स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के

चौनल तथा कमरे का ताला काटकर अज्ञात चोर कमरे में रखा वाटर कूलर तथा भगौना तथा सरिया आदि सामान उठा ले गये।विद्यालय के प्रधानाचार्य बृज बिहारी राय ने कठेला थाने पर लिखित सूचना देकर मामला दर्ज करके इसका पर्दाफाश करने की मांग की है। प्रधानाचार्य ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व की भांति वे विद्यालय में ताला बंद कराकर शनिवार को अपने घर गये हुए थे।सोमवार को सुबह प्रातः दस बजे विद्यालय पर आने पर चौनल का ताला खुला था।अंदर कमरे का भी ताला खुला हुआ था।कमरे के अंदर रखा एक वाटर कूलर तथा एक भगौना एवं कुछ सरिया तथा पाइप आदि समान गायब था।इस आशय का लिखित सूचना कठेला थाने पर देकर मामला दर्ज करके घटना का शीघ्र पर्दाफाश करने की मांग की गई है।इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला संज्ञान में है।शीघ्र इसका पर्दाफाश कर लिया जाएगा।

# पुलिस ने कोनार गांव में बहु–बेटी सम्मेलन का आयोजन कर महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

भवानीगंज/सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा एवं थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तहत सोमवार को ग्राम कोनार में मिशन शक्ति व बहू–बेटी सम्मेलन के सम्बन्ध में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जाकर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारें में जैसे कि

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला–0.2 सम्मान कोष, नारी शक्ति वन्दन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से सम्बन्धी जानकारी को बताया व जागरूक किया गया। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एन्टीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जानकारी देते हुए महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्पलाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन,108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन हेल्पलाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर व नये कानून के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान थाना भवानीगंज मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक शिवप्रकाश शुक्ला, कांस्टेबल अम्बुजेश, कांस्टेबल राघवेन्द्र तिवारी, महिला कांस्टेबल किरन यादव उपस्थित रहीं।

# चाय की दुकान और लोकतन्त्र, गांव की राजनीति का जीवन्त मंच

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश में आगामी प्रधानी, बीडीसी और जिला पंचायत सदस्य चुनाव को लेकर ग्रामीण अंचलों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। खेत–खलिहानों से लेकर चौपाल तक और विशेष रूप से क्षेत्र की छोटी–छोटी चाय की दुकानों पर लोकतन्त्र की असली तस्वीर देखने को मिल रही है। यही वे स्थान हैं जहां आम जनता और संभावित प्रत्याशी आमने–सामने बैठकर गांव, समाज और विकास की दिशा पर खुलकर चर्चा कर रहे हैं। सुबह की पहली चाय के साथ ही बात–चीत का विषय बदल जाता है कि कहीं सड़क, नाली और पानी की समस्या उठती है तो कहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की चिन्ता। बुजुर्ग अपने अनुभव साझा करते हैं व युवा अपनी अपेक्षाएं रखते हैं

और महिलाएं रोजमर्रा की समस्याओं पर सवाल उठाती हैं। प्रत्याशी भी इन्हीं दुकानों पर पहुंचकर बिना किसी मंच और माइक के जनता की नब्ज टटोलते नजर आते हैं। चाय की दुकान पर होने वाली ये चर्चाएं लोकतन्त्र को जमीनी मजबूती प्रदान करती हैं। यहां न कोई औपचारिक भाषण होता है, न भारी–भरकम वादे, बल्कि सीधे सवाल और सीधे जवाब होते हैं। जनता अब सिर्फ सुनने वाली नहीं, बल्कि पूछने वाली बन रही है कि "पिछली बार क्या किया?" व "इस बार क्या बदलेगा?" और "गांव के युवाओं के लिए क्या योजना है?" यह सकारात्मक संकेत है कि ग्रामीण मतदाता अब जागरूक हो रहा है और चुनाव को सिर्फ जाति या पहचान से ऊपर उठाकर काम, नीयत और भविष्य के आधार पर देखने लगा है। यदि प्रत्याशी इन चर्चाओं को गम्भीरता से लें और केवल चुनावी औपचारिकता न मानें, तो यही चाय की दुकानें भविष्य की मजबूत पंचायत व्यवस्था की नींव बन सकती हैं। अन्ततः कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनावों में चाय की दुकानें केवल चाय पीने की जगह नहीं रहीं, बल्कि जन संवाद, जन सवाल और जन समाधान का केन्द्र बन चुकी हैं। यही लोकतन्त्र की असली ताकत है जहां सत्ता का रास्ता जनता की आवाज से होकर गुजरता है।

# एसआईआर फॉर्म भरने में सहयोग करें सुनील सभासद

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा विधानसभा क्षेत्र मे सभी कर्मचारियों व सहयोगीयो सेअपील है। कि ैप्ट फॉर्म भरने में सब सहयोग करें। उक्त बातें इटवा नगर पंचायत के सभासद सुनील कुमार जयसवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। सभासद ने कहा का कार्यकर्ताओं से आग्रह है की 1 अक्तूबर 2026 को 18 साल पूर्ण करे युवक व युवतियों का भी एडवांस वोटर फार्म भरने एवं जमा करने मे उनका सहयोग करें जिससे आगामी विधानसभा चुनाव मे वो भी अपने मतों का प्रयोग कर सके।

# उच्चतर माध्यमिक विद्यालय होरीलापुर में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को महिला अपराध व उससे बचाव के बारें में पम्पलेट वितरित कर किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश एवं प्रभारी निरीक्षक मिश्रौलिया राजेश तिवारी के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत सोमवार को थाना मिश्रौलिया मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय होरीलापुर में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध सुरक्षा व नये कानून के बारे में जागरुक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी। मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे बालिकाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों जैसे 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा के बारें में जानकारी दी गई।

# सम्पादकी

**निश्चित रूप से संतुलित आर्थिक विकास की सार्थकता के लिए जरूरी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़ेतथा आर्थिक असमानता भी दूर हो। तेज विकास दर के साथ लोगों के जीवन में खुशहाली भी आनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ने से ही समाज में खुशहाली आ सकती है। जब देश में रोजगार के मौके बढ़ेंगे तो समाज में वास्तविक समृद्धि आ सकती है। रोजगार के अवसर ...**

## रोजगार सृजन से संभव विकसित भारत का संकल्प

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें गत दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 फीसदी होने की बात कही गई है। भारत दुनिया में युवाओं के देश के रूप में जाना जाता है। लेकिन हम इस युवा शक्ति का भरपूर उपयोग राष्ट्र विकास में नहीं कर पा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि देश के शहरी क्षेत्र में पंद्रह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के युवाओं में बेरोजगारी की दर गांवों के मुकाबले ज्यादा है। जहां शहरों में यह प्रतिशत बढ़कर 6. 7 फीसदी हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में यह 3.9 फीसदी स्थिर है। हाल ही के वर्षों में बेरोजगारी देश में बड़ा मुद्दा रहा है, जो भारत जैसे विकासशील देश के हित में नहीं है। किसी भी अर्थव्यवस्था में विकास दर तभी सार्थक होगी, जब रोजगार के नये मौके उपलब्ध हो रहे हों। नीति–नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले। यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं। तो क्या हम इस चुनौती के लिये अपने युवाओं को तैयार कर रहे हैं?

निश्चित रूप से देश के नीति–नियंताओं को मंथन करना चाहिए कि 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसे अभियानों के जमीनी परिणाम उत्साहवर्धक क्यों नहीं हैं? युवाओं की कौशल विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के बावजूद रोजगार के मौके क्यों नहीं बढ़ रहे हैं? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था समय के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है? विडंबना यह भी है कि बढ़ती आबादी के बावजूद सरकारी क्षेत्र की नौकरियां कम हो रही हैं। युवाओं की शिकायत होती है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां व्याप्त हैं। वे परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, बढ़ती बेरोजगारी हमारे विकास के मापदंडों पर भी सवाल खड़ी करती है। निश्चित रूप से संतुलित आर्थिक विकास की सार्थकता के लिए जरूरी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े तथा आर्थिक असमानता भी दूर हो। तेज विकास दर के साथ लोगों के जीवन में खुशहाली भी आनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ने से ही समाज में खुशहाली आ सकती है। जब देश में रोजगार के मौके बढ़ेंगे तो समाज में वास्तविक समृद्धि आ सकती है। रोजगार के अवसर बढ़ने से उत्पादकता बढ़ेगी और महंगाई पर नियंत्रण पाने में भी मदद मिलेगी। निस्संदेह, बढ़ती क्रय शक्ति भी अर्थव्यवस्था को गति देती है। निर्विवाद रूप से बेरोजगारी कम किए बिना हम देश के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य मुश्किल से हासिल कर पाएंगे। हमें एआई व डिजिटल चुनौती के मुकाबले के लिए युवाओं का कौशल विकास तेज करना चाहिए।

## सिद्ध कुंजिका स्तोत्र से सभी बाधाएं होती हैं दूर

आराध्य के प्रति चेतना की समस्त आध्यात्मिक भाव भूमि का नाम साधना है। साधना, साधक का प्राण तत्त्व है। साधकों का नवरात्रि जारी है। सभी साधक सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ अवश्य करते हैं। सिद्ध कुंजिका स्तोत्र अत्यंत शक्तिशाली देवी स्तोत्र है। इसके पाठ मात्र से समस्त बाधाएं दूर होती हैं। सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। दुर्गा सप्तशती के सभी मंत्र सिद्ध हो जाते हैं, जिससे जीवन में धन, समृद्धि, साहस और सुरक्षा मिलती है, इसके लिए उचित विधि से संकल्प लेकर रात्रि में पाठ करना चाहिए। यह स्तोत्र दस महाविद्याओं और नौ देवियों की पूजा का सार है और इसके पाठ से जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होती है। सिद्ध कुंजिका स्तोत्र, देवी दुर्गा का एक अत्यंत गोपनीय और शक्तिशाली स्त्रोत है। इसका गुप्त रहस्य यह हैं कि इसके पाठ से दुर्गा सप्तशती के संपूर्ण पाठ का फल मिलता है। बिना कवच, अर्गला, कीलक आदि के आप माता दुर्गा देवी की .पा प्राप्त कर सकते हैं। यह ध्वनि ऊर्जा का श्रॉ फॉर्मश है जो चेतना को बदलता है, नकारात्मक ऊर्जा, तंत्र–मंत्र और सभी बाधाओं को समाप्त कर देता है, और इसे केवल योग्य व्यक्ति (अभक्त को नहीं ) को ही देना चाहिए, क्योंकि यह शक्ति को जागृत करने की कुंजी है। सिद्ध कुंजिका स्तोत्र के अनुभव बताते हैं कि इसके पाठ से मानसिक शांति, आत्मविश्वास, शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। व्यक्ति का नकारात्मक प्रभावों से बचाव होता है। उसे धन, सुख, सफलता व आध्यात्मिक उन्नति जैसे लाभ प्राप्त होते हैं। इसके पाठ से जीवन की समस्त बाधाएँ दूर होती हैं और व्यक्ति की समस्त मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। ध्यातव्य है कि सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। यह एक शक्तिशाली साधना मानी जाती है जो साधक को हर प्रकार के संकटों से निकालकर सुख–समृद्धि और आध्यात्मिक ऊँचाई की ओर ले जाती है, बशर्ते इसे श्रद्धा और सही विधि से किया जाए।

**लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश**

## लोकतंत्र में कानून ही लोक की अंतिम उम्मीद

**भारतीय समाज एक खुला समाज है। जब भी कोई त्रुटि या प्रवंचना सामने आती है, सरकार चाहे कोई भी हो उसका संज्ञान लेकर निर्णय बदलने से नहीं हिचकती। सामान्यत: न्यायपालिका के निर्णय अंतिम माने जाते हैं, किंतु जहां आवश्यक हुआ, वहां सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल बाहुबली की सजा निलंबन पर रोक लगाई, बल्कि अपने ही निर्णयों पर पुनर्विचार करने का साहस भी दिखाया। इसे प्रतिष्ठा ...**

वर्ष के अंत में न्यायपालिका द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार और अरावली में खनन आवंटन पर पर्यावरण को सर्वोपरि मानकर विचार करने से जनता आश्वस्त हुई है कि भारतीय लोकतंत्र में अन्याय के प्रतिकार के मार्ग सदैव खुले रहते हैं। भारत की न्यायपालिका की परंपरा अत्यंत गरिमापूर्ण रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए उसने हाल के दिनों में भी वैसा ही आचरण किया है, जैसा एक स्वतंत्र न्यायपालिका से अपेक्षित होता है। किसी अधिनायकवादी देश में यह कल्पना भी कठिन है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने ही निर्णय पर पुनर्विचार करे या निचली अदालत के आदेश को गलत मानकर उसमें संशोधन करे। भारत में यह संभव हुआ है, जो लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है। यहां देर–सबेर जनता की आवाज सुनी जाती है। सरकारी फैसले, जो लोगों को पीड़ित, क्रुद्ध या उन्हें आक्रोशित करते हैं, तो सरकार भी जनभावनाओं के अनुरूप अपने निर्णय बदलती है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सच्ची पहचान और सामूहिक प्रगति का मार्ग है। हम यहां किसान आंदोलन की चर्चा नहीं करेंगे, जिसके बारे में सरकार ने उनके लंबे धरनों के बाद किए गए फैसले वापस ले लिए। हम पंजाब यूनिवर्सिटी की बात भी नहीं करेंगे, जिसके संबंध में केंद्र ने पंजाबियों की भावनाओं को समझते हुए अपना फैसला बदल दिया। ऐसे में पंजाब यूनिवर्सिटी हमेशा की तरह पंजाब की शान बनी रही। नवीनतम

फैसलों की चर्चा करें तो सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर्वत शृंखला में खनन से संबंधित अपने पूर्व आदेश पर पुनर्विचार का निर्णय उल्लेखनीय है। न्यायालय को यह आशंका हुई कि खनन आवंटन और अरावली के संरक्षण के बीच संतुलन न बिगड़ जाए, इसलिए विशेषज्ञों से पुनः विचार कर नया फैसला देने का निर्णय लिया गया। यह न्यायपालिका की पर्यावरणीय संवेदनशीलता और लोचशीलता को दर्शाता है। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य आदेश ने भारतीय लोकतंत्र में सबकी बात सुने जाने की गरिमा को पुनः स्थापित किया। यह मामला उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर से जुड़ा है, जिसकी जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। वर्ष 2017 के उन्नाव कांड में पीड़िता और उसके परिवार पर हुए अमानवीय अत्याचार, धमकियां और हिंसा ने पूरे देश को झकझोर दिया था। पीड़िता और उसके पिता ने न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई। इसके पहले, बाहुबली ने लालच देकर उन्हें लोकलाज का भय दिखाकर चुप रहने के लिए दबाव डाला। इसके बाद पीड़िता के पिता को कुछ मामलों में फंसाकर हिरासत में रखा गया, उनकी मारपीट करवाई गई, और इसी कारण उनकी मृत्यु हो गई।

इस बाहुबली ने 23 दिसंबर, 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त कर ली थी। दलील दी कि वह एक जनसेवक है और पहले ही इस मामले में पांच साल की सजा भोग चुका है। पीड़िता के भय का अंत नहीं हुआ, क्योंकि बाहुबली रिहा हो गया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं और पीड़ित के भय का अंत करना न्याय की मूल शर्त है। देशभर में इस फैसले का स्वागत किया गया, क्योंकि बाहुबली के सामने निर्बल पीड़ितों की आवाज सुनी गई। ऐसी घटनाएं केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था में ही संभव हैं। बार–बार यह सिद्ध हुआ है कि भारतीय लोकतंत्र अंततः अपनी गरिमा स्थापित करता है। यहाँ विपक्ष की आवाज सुनी जाती है और पीड़ितों व वंचितों के हितों पर ध्यान दिया जाता है। जातिगत जनगणना इसका उदाहरण है। लंबे समय से विपक्ष इसकी मांग कर रहा था, क्योंकि 2011 के बाद यह नहीं हुई थी। 2026 में प्रस्तावित जनगणना से पहले ही केंद्र सरकार ने स्वयं जातिगत जनगणना कराने का निर्णय ले लिया।

भारतीय समाज एक खुला समाज है। जब भी कोई त्रुटि या प्रवंचना सामने आती है, सरकारकृचाहे कोई भी होकृउसका संज्ञान लेकर निर्णय बदलने से नहीं हिचकती। सामान्यतः न्यायपालिका के निर्णय अंतिम माने जाते हैं, किंतु जहां आवश्यक हुआ, वहां सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल बाहुबली की सजा निलंबन पर रोक लगाई, बल्कि अपने ही निर्णयों पर पुनर्विचार करने का साहस भी दिखाया। इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाया गया। संविधान के प्रति प्रतिबद्धता पर हाल के चुनावों में सत्ता और विपक्ष दोनों एकमत दिखाई दिए। वर्ष के अंत में न्यायपालिका द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार और अरावली में खनन आवंटन पर पर्यावरण को सर्वोपरि मानकर विचार करने से जनता आश्वस्त हुई है कि भारतीय लोकतंत्र में अन्याय के प्रतिकार के मार्ग सदैव खुले रहते हैं।

**{ अब हजार साल पुरानी मूर्तियों को गौर से देखने पर आपको भान होता है कि उन्हें साफ किया गया है दशकों की जमी धूल,गंदगी हटाने के बाद वे इतनी चमक रही थी। डीएफआई आपकी इस परिकिल्पना की पुष्टि करती है। उम्मीद करें कि सफाई करने वालों ने यह करने में उच्च गुणवत्ता वाले द्रवों का इस्तेमाल किया होगा जो आगे चलकर पत्थर का क्षरण न करे– यह ... }**

## मोदी सरकार की सांस्कृतिक महत्वाकांक्षा के निहितार्थ

दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय, 'युगे–युगीन भारत' की पहली गैलरी साल के आखिर तक खुल जाएगी। इसी कड़ी में दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय व अयोध्या में भारतीय मंदिर वास्तुकला संग्रहालय का निर्माण भी हो रहा है, जो सांस्कृतिक तौर पर महत्वाकांक्षी परियोजनाएं हैं। जरूरी है कि सरकारें देश में ऐसी सभी गौरवपूर्ण सांस्कृतिक धरोहरों पर एक समान ध्यान दें। भारत भले ही अपने सबसे महत्वपूर्ण विदेशी भागीदार, अमेरिका के साथ राजनीतिक द्वंद्व में उलझा हो, जबकि अर्थव्यवस्था, जैसा कि जाने–माने वित्तीय पत्रकार टीएन नाइनन ने पिछले हफ्ते की शुरुआत में इन कॉलम में बताया था –'मिलनसार होने की बजाय शर्मीली ज्यादा' है – लेकिन सांस्कृतिक ऊंचाइयों को भव्य पैमाने पर पेश करने की सरकार की 'कभी हार न मानने वाली' महत्वाकांक्षा जस–की–तस है। दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय, 'युगे–युगीन भारत' की पहली गैलरी साल के आखिर तक खुल जाएगी। इसका पैमाना निश्चित रूप से बहुत विशाल है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज तक के भारत की गाथा बताने वाली 1,00,000 कलाकृतियों को नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक की 30 दीर्घाओं में प्रदर्शित जाएगा, लुटियंस दिल्ली में ब्रिटिश राज की ये इमारतें नौकरशाही के आला अधिकारियों का पिछले सौ सालों से कार्यस्थल रहा है। संग्रहालय में बारे में कुछ ऐसा है जो मोदी सरकार को खासतौर पर भाता है। शायद, बहुजन समाज पार्टी की दलित नेता मायावती की तरह कृ जिनके खुद के और उनके गुरु कांशी राम और बाबा साहेब अंबेडकर के स्मारक लखनऊ और दिल्ली के बाहरी इलाकों में जगह–जगह बने हैं–मोदी को ज्ञात होगा कि आप उनसे नफरत करें या प्यार, लेकिन स्मारकों को समय की परीक्षा झेलनी पड़ती है। (यही वजह है कि 1991 के आखिर में जब यह स्पष्ट हो गया कि सोवियत संघ बिखरेगा, तो प्रति–क्रांतिकारियों ने सबसे पहले लेनिन और मार्क्स की मूर्तियों पर ही हमला बोला था।) और इसीलिए, जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, पिछले 11 सालों में नई दिल्ली का स्वरूप धीरे–धीरे फिर से बदलकर नया रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री संग्रहालय, जहां मोदी समेत हर विगत प्रधानमंत्री के लिए एक गैलरी होगी– जिसका जिक्र दिल्ली आने वाली शताब्दी ट्रेनों के पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर होता है –से लेकर युगे–युगीन भारत तक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भाजपा का भारत के हृदय में एक खास यादगार बनाने की महत्वाकांक्षा का प्रदर्शन बेमिसाल है। प्रभावशाली तथ्य यह कि भाजपा

के लिए कुछ भी छोटा नहीं। दिसंबर के आखिरी हफ्ते में जालंधर में हुए हरिवल्लभ संगीत समारोह में, जिसने अपनी 150वीं सालगिरह मनाई है, संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत नहीं आ पाए दृ इसलिए उन्होंने एक वीडियो संदेश भेजा जिसमें कहा कि सरकार को देश के सबसे पुराने संगीत समारोह के लिए एक ऑडिटोरियम बनाने में खुशी होगी। तालियों के बीच जो अनकहा संदेश संलग्न था, वह यह कि बीजेपी पंजाब की लुप्त हो रही विरासत को पुनर्स्थापित करने में मदद हेतु कुछ भी करेगीदृ और अगर पंजाब के लोग उसे वोट देकर यह एहसान चुकाते हैं, तो इससे जरूर मदद मिलेगी। इसीलिए दिल्ली में प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में उद्घाटन की गई पिपरहवा बुद्ध अवशेषों की प्रदर्शनी में रखी वस्तुओं के विवरण पर बहुत कम ध्यान दिया देखकर हैरानी हुई। जो लोग इसकी पृष्ठभूमि नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि औपनिवेशिक ब्रिटिश हुकूमत के एक इंजीनियर विलियम क्लैक्सटन पेप्पे ने 1898 में बर्डपुर एस्टेट के तहत आते पिपरहवा नामक गांव में कुछ रत्न, गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेष और राख वाले पांच छोटे कलश खोज निकाले थे, नेपाल सीमा के दक्षिण में कई एस्टेट्स का प्रबंधन उनके जिम्मे था। साल 2025 में, जब पेप्पे के वंशजों ने हांगकॉन्ग में अपने पास रखे बुद्ध अवशेषों की नीलामी करने का फैसला किया, उससे देशभर में खलबली मची, तत्पश्चात केंद्र सरकार ने गोदरेज इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर रत्नों व अवशेषों को खरीदने और वापस मातृभूमि लाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था रू 'यह हर भारतीय को गौरवान्वित महसूस कराएगा कि भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेष 127 साल लंबे अरसे बाद घर (भारत) वापस आ गए हैं३'। निश्चित ही, भारत को एक प्राचीन सभ्यता, सिंधु घाटी, और एक प्राचीन विचारधारा,बौद्ध धर्म के सही उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षा देखना प्रभावशाली है। वहां पर वही थे, आपके सामने एक बुलेटप्रूफ केस में, शानदार रत्न। उन्हें निहारते हुए आप 'चांदी और सोने में उकेरे तारे, तश्तरियों में सोने की पत्तियों में उभरे बौद्ध प्रतीक और नाना आकार के मोती३, मनके, लाल या सफेद कार्नेलियन, एमेथिस्ट, फुखराज, गार्नेट, मूंगा और क्रिस्टल पर तराशकर बनाए तारे और फूल'दृ यह सारी जानकारी 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पिपराहवा डॉट कॉम' से लेनी पड़ी क्योंकि प्रदर्शनी में यह सब जानकारी उपलब्ध नहीं, न तो वहां मौजूद युवा किंतु खुद अनभिज्ञ स्वयंसेवक बता पाए और न ही प्रदर्शनी की आयोजक डिजाइन फैक्ट्री इंडिया (डीएफआई) नामक कंपनी दे पाई। गौरतलब है कि उक्त कंपनी अपनी मशहूरी इस दावे के आधार पर करती है कि उसने वड़नगर में नगर का 'बुद्ध से नाता' थीम पर एक संग्रहालय बनाया है, और भुज में 2001 के भूकंप की याद में एक संग्रहालय भी बनाया है। प्रदर्शनी में बुद्ध को जीवंत करती शानदार मूर्तियां भी रखी गईं, जिन्हें कोलकाता के भारतीय संग्रहालय, दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय म्यूजियम और देश के अन्य कई संग्रहालयों से लाया गया है। इनमें से कई मूर्तियां कभी खैबर–पख्तूनख्वा के उन हिस्सों से आई थीं, जो अब पाकिस्तान में हैं, सिवाय इसके कि सूचना पट्टी पर 'पाकिस्तान' शब्द को 'अविभाजित भारत' से बदल दिया गया है।

# गुल प्लाजा में लगी भीषण आग पर 24 घंटे बाद पाया गया काबू

कराची में दमकलकर्मी ऐतिहासिक डाउनटाउन इलाके में स्थित एक शॉपिंग मॉल में लगी भीषण आग के बाद लापता हुए 65 से अधिक लोगों की तलाश कर रहे हैं। इस आग में छह लोगों की मौत हो गई और इमारत का कुछ हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। वीडियो में इमारत से उठती लपटें दिखाई दे रही थीं, जबकि दमकलकर्मी शनिवार रात को शुरू हुई इस आग को घनी आबादी वाले व्यावसायिक क्षेत्र में फैलने से रोकने के लिए पूरी रात संघर्ष करते रहे। 24 घंटे से अधिक समय तक आग पर काबू पाने के बाद, दमकलकर्मियों ने लगभग ढह चुकी इमारत के भाप निकलते मलबे को ठंडा करना शुरू किया। दमकलकर्मियों ने पाकिस्तान के स्थानीय टेलीविजन स्टेशन जियो न्यूज को बताया कि 1,200 से अधिक दुकानों वाले मॉल में वेंटिलेशन की कमी के कारण इमारत धुएं से भर गई और बचाव कार्य में देरी हुई।

प्रांतीय मंत्रिमंडल के वरिष्ठ मंत्री शरजील इनाम मेमन ने कहा कि इस घटना में जिन लोगों की जान गई है और जो घायल हुए हैं वे सभी दम घुटने के शिकार हुए हैं। ओघो ने पत्रकारों को बताया कि मॉल में लगभग 1,200 दुकानें थीं जिनमें ज्वलनशील वस्तुएं थीं तथा सभी मंजिलों पर आग लगने से वे सभी दुकानें नष्ट हो गईं। बचाव सेवा रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता हसनुल हसीब खान ने बताया कि छह लोगों की मौत हो गई और इमारत से बाहर निकाले गए लगभग 20 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। बचाव अभियान के दौरान स्नोर्कल सीढ़ी से गिरने से एक दमकलकर्मी की जान चली गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

रेस्क्यू 1122 के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) आबिद जलाल ने रविवार शाम मीडिया को बताया कि आग पर 75 प्रतिशत तक काबू पा लिया गया है, लेकिन अब भी बहुत काम बाकी है। उन्होंने कहा कि इमारत बहुत जर्जर थी और उसका पिछला हिस्सा पहले ही ढह चुका है और सामने का हिस्सा भी ढह सकता है। इसलिए हमारी सबसे बड़ी चिंता यह है कि आग पूरी तरह बुझने तक हम लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव दल नहीं भेज सकते। उन्होंने कहा कि अग्निशमन कर्मियों समेत 12 लोग आग बुझाने में लगे हैं तथा दमकल की 22 गाड़ियों की मदद ली जा रही है। खान ने कहा जैसे ही प्रशीतन का काम शुरू होगा, हम आगे बचाव अभियान शुरू करेंगे, लेकिन इमारत की बनावट बहुत जटिल है क्योंकि इसमें तहखाना और मेजेनाइन फ्लोर के साथ सैकड़ों दुकानें एवं स्टोर हैं।

गुल प्लाजा का निर्माण 80 के दशक के में हुआ था और यह सभी वर्गों के लोगों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य था क्योंकि इसमें किफायती क्रॉकरी, सजावट का सामान, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, महिलाओं के सौंदर्य प्रसाधन, इत्र और अन्य उत्पादों की सैकड़ों दुकानें थीं। न्यूज इंटरनेशनल पोर्टल ने दमकलकर्मियों के हवाले से कहा कि मॉल में हवादार ढांचों की कमी और खिड़कियों के बंद होने के कारण इमारत के अंदर धुआं भर गया है, जिससे बचाव कार्य में बाधा आ रही है। यह मॉल लगभग 1.75 एकड़ में यानी लगभग एक फुटबॉल मैदान के बराबर क्षेत्र में फैला हुआ है। आग के कारण इस इमारत को बहुत अधिक क्षति पहुंची है। प्लाजा के दुकानदारों के संघ के प्रमुख अब्दुल कादिर ने व्यापारियों को हुए नुकसान को लाखों रुपये में बताया। न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को इस घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि लोगों की जान बचाने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाने चाहिए। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

# ट्रंप के Board Of Peace के न्योते को पीएम मोदी ने ठुकराया? नेतन्याहू क्यों रह गए सन्न

मिडिल ईस्ट के लिए शांति की पहल पर भारत की एक बड़ी भूमिका रहने वाली है और एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भारत को अब मिली है। दरअसल अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय शांति पहल में शामिल होने का न्योता दिया है। इस पहल का मकसद मिडिल ईस्ट में शांति को मजबूत करना और गजा संघर्ष को खत्म करना है। पत्र में यह कहा गया कि अमेरिका पहले ही इस मुद्दे पर एक 20 तय योजना पेश कर चुका है जिसे कई देशों का समर्थन भी मिला है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी इसे मंजूरी दी है और अब इस योजना को जमीन पर उतारने के लिए बोर्ड ऑफ पीस नाम की एक नई अंतरराष्ट्रीय संस्था बनाई जाएगी के तौर पर शामिल होगा। भारत समेत कई बड़े देश इसमें शामिल होने वाले हैं और अमेरिका यह चाहता है कि भारत इस ऐतिहासिक प्रयास में अहम भूमिका निभाए और इसके लिए प्रेसिडेंट ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है

और इस शांति बहाली के लिए सदस्य देश के तौर पर शामिल किए जाने की योजना है। अमेरिकी राजदूत सरियो गौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक राष्ट्रपति ट्रंप का न्योता पहुंचाने का सम्मान मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि यह बोर्ड गजा में स्थिरता और समृद्धि लाने के लिए प्रभावी शासन में मदद करेगा। गवर्नर नेते की चिट्ठी भी एक्स पर साझा की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार 15 जनवरी को गजा बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान किया था। इसे इजराइल हमास युद्ध को खत्म करने की अमेरिका समर्थित योजना का दूसरा अहम फज बताया गया है। रविवार 18 जनवरी को भारत के अलावा कम से कम चार और देशों ने पुष्टि की है कि उन्हें भी इस बोर्ड में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक जॉर्डन, ग्रीस, साइप्रस और पाकिस्तान को भी न्योता भेजा गया है। अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक जो इस बोर्ड में प्रस्तावित चार्टर से वाकिफ हैं, बोर्ड के अस्थाई सदस्यता के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान देना होगा। वहीं 3 साल के कार्यकाल के लिए किसी तरह की आर्थिक शर्त नहीं रखी गई है। इस पहल से जुटाई गई रकम गजा में पुनिर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। बताया जा रहा है कि बोर्ड में दुनिया के कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। वाशिंगटन आने वाले दिनों में इसके अंतिम सदस्यों की सूची जारी कर सकता है। यह ऐलान स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक के दौरान भी हो सकता है। जिन अन्य नेताओ को निमंत्रण भेजे जाने की पुष्टि हुई है, उनमे कनाडा के पीएम मार्क कार्नी, इजिप्ट के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप अर्दआन शामिल है। पाकिस्तान ने कहा कि पीएम शहबाज शरीफ को भी बोर्ड में शामिल होने का पत्र मिला है। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा को लेकर बने पैनल पर आपत्ति जताने के बाद रविवार को अपनी सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार की बैठक बुलाई। नेतन्याहू कार्यालय ने कहा कि बोर्ड की सरचना इस्त्राइल से परामर्श किए बिना तय की गई है और यह नीति के विपरीत है।

# खेलों से होता है सर्वांगीण विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास का निर्माण–शिखा चतुर्वेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राजन इंटरनेशनल एकेडमी में सोमवार को आयोजित खेल महोत्सव के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का सम्मान समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी, कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय एवं प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। समारोह को संबोधित करते हुए प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि अभिभावकों के भरोसे पर खरा उतरना एकेडमी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि बीते चार वर्षों में एकेडमी के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक व सह–शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। शिक्षकों

की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सीमित समय में भी शिक्षक जिस समर्पण से बच्चों को निखार रहे हैं, वही आज उनकी सफलता का आधार है। कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही एकेडमी का मूल उद्देश्य है। खेलों से अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित होता है। इसी सोच के तहत खेल महोत्सव जैसे आयोजन नियमित रूप से कराए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों की प्रतिभा को सही मंच मिल सके। प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने जानकारी दी कि नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है।

इच्छुक अभिभावक विद्यालय में आकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन शैक्षणिक गुणवत्ता, अधोसंरचना और सह–शैक्षणिक गतिविधियों को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान विभिन्न खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास झलक रहा था। कार्यक्रम का संचालन बीएड विभागाध्यक्ष जीत यदुवंश ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

# पुलिस ने शान्ति निकेतन इन्टर कॉलेज देवकलीगंज की छात्राओं को महिला अपराध व उससे बचाव के बारें में किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

जागरूकता अभियान के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में सोमवार को थाना शोहरतगढ़ मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के शान्ति निकेतन इन्टर कॉलेज देवकलीगंज में जाकर छात्राओं को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध सुरक्षा व नये कानून के बारें में जागरुक किया गया तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे बालिकाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108, एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान थाना शोहरतगढ़ की मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी मौजूद रहीं।

पकड़ी बाजार/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा ष्महिला सशक्तिकरण, एन्टी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं

# वन सुरक्षा को नई ताकत गोन्डा वन प्रभाग में स्थापित हुआ 24 घंटे का कंट्रोल रूम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में वर्ष 2026 के वन अग्नि काल के दौरान वनों में होने वाली अग्नि दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गोंडा वन प्रभाग में प्रभाग स्तर पर 24 घंटे कार्य करने वाला अग्नि नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।यह जानकारी अनुराग प्रियदर्शी प्रभागीय वनाधिकारी गोन्डा द्वारा जारी आदेश में दी गई है।अग्नि नियंत्रण कक्ष का उद्देश्य विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने वाली वन अग्नि की सूचनाओं का संकलन कर उनका त्वरित अनुश्रवण करना तथा घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। नियंत्रण कक्ष में कर्मचारियों की तैनाती समयबद्ध रूप से की गई है।प्राप्त विवरण के अनुसार, दीपक कनौजिया वन क्षेत्राधिकारी प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक,इन्द्रजीत यादव वन दारोगा दोपहर 2 बजे से रात्रि 9 बजे तक तथा अमित वर्मा वन रक्षक रात्रि 9 बजे से प्रातः 7 बजे तक अग्नि नियंत्रण कक्ष में सेवाएं देंगे।इसके अतिरिक्त, गोन्डा वन प्रभाग के अंतर्गत वनों में घटित होने वाली किसी भी अग्नि घटना की सूचना कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी के दूरभाष नंबर 05262–230212 अथवा मोबाइल नंबर 7839434872, 7839435149 एवं 8707336963 पर भी दी जा सकती है।प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी ने आमजन से अपील की है कि वन अग्नि की किसी भी घटना की जानकारी तुरंत संबंधित नंबरों पर दें, ताकि समय रहते आग पर नियंत्रण किया जा सके और वनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

# ग्राम पंचायत मोतीनगर में लग रही मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी

**दैनिक बुद्ध का संदेश /आरके श्रीवास्तव**

बलरामपुर। विकास खंड पचपेड़वा की ग्राम पंचायत मोतीनगर में मनरेगा योजना को कथित तौर पर लूट का अड्डा बना दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, यहां बिना एक इंच मिट्टी खुदे ही 6 मास्टर रोल तैयार कर दिए गए और लगभग 60 मजदूरों की फर्जी हाजिरी कागजों में दर्शा दी गई।सूत्र बताते हैं कि जिन स्थलों पर कार्य पूर्ण दिखाया गया है, वहां मौके पर न तो कुदाल मिला, न टोकरी, न ही कोई मजदूर सिर्फ सन्नाटा पसरा रहा।फोटो से फर्जीवाड़ा, ज़मीन पर शून्य काम सूत्रों का दावा है कि मनरेगा पोर्टल पर फर्जी फोटो अपलोड कर हाजिरी लगाने का खेल चल रहा है। बिना मजदूर, बिना औजार और बिना किसी वास्तविक कार्य के पूरे–पूरे दिन की मजदूरी दर्ज कर दी गई। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यहां तो सिर्फ कागज दौड़ रहे हैं, मजदूर नहीं।

सूत्रों के अनुसार, यह पूरा खेल रोजगार सेवक, पंचायत सचिव और कुछ प्रभावशाली लोगों की कथित मिलीभगत से रचा गया है। पहले मास्टर रोल बनाए गए, फिर फर्जी हाजिरी दर्ज कराई गई और अब भुगतान के जरिए सरकारी खजाने पर हाथ साफ करने की तैयारी है। ग्रामीण इसे महज लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित घोटाला बता रहे हैं। प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल इतना गंभीर मामला सामने आने के बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। सूत्रों की मानें तो शिकायतों के बावजूद अब तक न तो स्थलीय जांच हुई और न ही किसी जिम्मेदार से जवाब–तलब। ग्रामीणों में यह चर्चा आम है कि क्या मनरेगा में लूट अब प्रशासनिक संरक्षण में हो रही है? चेतावनी अब आंदोलन होगा ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस मामले की स्वतंत्र निष्पक्ष और समयबद्ध जांच नहीं कराई गई तो वे ब्लॉक से लेकर जिला मुख्यालय तक आंदोलन करने को मजबूर होंगे ग्राम पंचायत मोतीनगर में मनरेगा घोटाले का आरोप 6 फर्जी मास्टर रोल तैयार 60 मजदूरों की कागजी हाजिरी मौके पर न काम, न औजार, न मजदूर फर्जी फोटो से हाजिरी लगाने का दावा सरकारी धन की बंदरबांट की आशंका ग्रामीणों में भारी रोष मनरेगा सवालों के घेरे में मनरेगा जैसी योजना, जो गरीबों के हाथों में काम और औजार देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, आज कई जगहों पर कागजों और कैमरे के सहारे लूटी जा रही है। मोतीनगर का मामला बताता है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो भ्रष्टाचार और गहराने से कोई नहीं रोक पाएगा।

# डीएम द्वारा सांथा विकासखंड के पीएम श्री विद्यालय अठलोहिया व मेहदावल विकासखंड के राजकीय इंटर कॉलेज परसामाफी का किया गया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा विकासखंड सांथा क्षेत्र के पीएम श्री विद्यालय अठलोहिया व मेहदावल विकासखंड के राजकीय इंटर कॉलेज परसामाफी का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सांथा विकासखंड के पीएम श्री विद्यालय अठलोहिया का औचक निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विद्यालय में पांच अध्यापक व एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री कार्यरत है। जिलाधिकारी द्वारा पूछे जाने पर मौके पर कोई भी बच्चा अंग्रेजी का किताब नहीं पढ़ पाया, जिस पर जिलाधिकारी ने पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिए जाने के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने हेतु सभी शिक्षकों का वेतन बाधित करने हेतु निर्देशित किया है। शौचालय सहित विद्यालय में साफ सफाई की स्थिति ठीक नहीं पाए जाने तथा स्थानीय सफाई कर्मी द्वारा नियमित सफाई कार्य न किए जाने की शिकायत को गंभीरता से रहते हुए जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज्य अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी को व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए गए तथा सफाई कर्मी का वेतन बाधित करने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि आंगनबाड़ी केंद्र बनकर तैयार है जिसे तत्काल हैंडओवर करने के निर्देश जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए।

उन्होंने अनावश्यक विलंब के कारण संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। रसोईया का मानदेय विगत अगस्त माह के बाद नहीं मिलने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने इसका भुगतान करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया। राजकीय इंटर कॉलेज परसामाफी का निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विद्यालय की दीवारों में सीलन व पानी का रिसाव हो रहा है जिसे ठीक करने हेतु जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित किया गया विद्यालय में तीन अध्यापक कार्यरत हैं, और नया विद्यालय होने के कारण अभी तक तीन बच्चों ने ही एडमिशन कराया है। निरीक्षण के दौरान ओएसडी राकेश कुमार सहित संबंधित आदि उपस्थित रहे।

# नए थानाध्यक्ष संदीप द्विवेदी के सामने बड़ी चुनौती, हाल ही में हुई चोरी का खुलासा ना होने को लेकर आमजन में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बिशेश्वरगंज/बहराइच।** कस्बे के प्रतिष्ठित श्री बालाजी ज्वेलर्स में हुई चोरी की घटना ने थाना बिशेश्वरगंज की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होने के बावजूद चोरी का खुलासा न होना और कार्रवाई का अभाव आमजन के आक्रोश का कारण बन गया। मिली जानकारी अनुसार पीड़ित दुकानदार ओंकार गोस्वामी के अनुसार, घटना के समय वे दिल्ली में थे। सूचना मिलने पर तत्काल लौटकर उन्होंने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा तो दर्ज किया, लेकिन जांच की धीमी गति ने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी पयागपुर हर्षिता तिवारी ने स्वयं

मोर्चा संभालते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीओ हर्षिता तिवारी ने न केवल घटनाक्रम की गहन समीक्षा की, बल्कि जांच में लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए अधीनस्थों को स्पष्ट निर्देश दिए। उनके सक्रिय हस्तक्षेप के बाद ही पुलिस महकमे में हलचल तेज हुई। ठीक इसी क्रम में तत्कालीन थानाध्यक्ष राजकुमार पांडेय का अचानक तबादला कर दिया गया, जिसे पुलिस की जवाबदेही तय करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रशासनिक हलकों में इसे सीओ स्तर से की गई सख्त निगरानी का परिणाम बताया जा रहा है। अब थाना बिशेश्वरगंज की कमान नवागत थानाध्यक्ष संदीप कुमार द्विवेदी को सौंपी गई है, उनके सामने सीओ हर्षिता तिवारी के निर्देशन में चोरी की घटना का शीघ्र और निष्पक्ष खुलासा कर पीड़ित को न्याय दिलाने के साथ–साथ थाना की साख बहाल करने की बड़ी चुनौती है। क्षेत्रीय जनता को उम्मीद है कि सीओ हर्षिता तिवारी की सक्रिय निगरानी और नए थानाध्यक्ष की कार्यशैली से जल्द ही चोरी का खुलासा होगा और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

# मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत शुरू हुआ जनसंपर्क और पदयात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बलहा/बहराइच।** मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत जनसंपर्क और पदयात्रा तथा गांव चौपाल कार्यक्रम के तहत आज कांग्रेस जनों ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय सिंह की अगुवाई में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के बलिदान दिवस पर बलहा ब्लाक में स्थापित सेनानी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावपूर्ण सामूहिक सैल्यूट किया गया। तत्पश्चात बलहा, फुलवरिया, पचपेड़वा, नीलकोठी आदि का भ्रमण करते हुए पदयात्रा करके जन सम्पर्क स्थापित किया। समापन रेलवे स्टेशन परिसर नानपारा जंक्शन में बहराइच रुपैइडिहा प्रखंड पर तत्काल रेल संचालन शुरू करने हेतु चेतावनी संकल्प करके किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेता विनय सिंह ने कहा कि मनरेगा को समाप्त करने एवं महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने जैसी भाजपा सरकार की घृणित मंशा को हम कांग्रेस जन

सफल न होने देने के उद्देश्य से यह जनसंकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भाजपा सरकार ही हिन्दुओं की विरासत और धार्मिक स्थलों को ध्वस्त और नेस्तनाबूद कर रही है जिसका ताजा उदाहरण अयोध्या के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में असंख्य मंदिरों, पौराणिक वटवृक्षों तथा मणिकर्णिका घाट आदि का नामोनिशान मिटा दिया गया है तथा मोदी खुद हनुमान जी का पतंग उड़ा कर हिन्दू धर्म की आस्था का घोर अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ महीनों से प्रतीक्षारत बहराइच नानपारा रुपैइडिहा तक रेल संचालन शुरू न होने से क्षेत्रीय जनमानस में असन्तोष है वहीं बहराइच से वाराणसी ट्रेन को बंद कर दैनिक यात्रियों और क्षेत्रीय जनता को निराश और हताश कर रखा है। जिससे आमजन में काफी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने महाराणा प्रताप बलिदान दिवस पर संकल्प लिया कि यदि अतिशीघ्र रेल संचालन शुरू न किया गया तो हम कांग्रेस जन वृहद स्तर पर सत्याग्रह आंदोलन चलाने के लिए विवश होंगे। इस अवसर पर कांग्रेस नेत्री मालती पासवान जिला उपाध्यक्ष शरीफ़ खान, जिला महासचिव एवं मीडिया प्रभारी राशिद अली, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष एहसान वारिस,नगर अध्यक्ष भोला कुरैशी,सेवादल अध्यक्ष विष्णु यादव मुबारक खान, अवधराम पासवान सहित कई लोगों अपने अपने बक्तव्य में मनरेगा से महात्मा गांधी नाम हटाए जाने, तथा रेल संचालन अतिशीघ्र शुरू करने हेतु संघर्ष हेतु संकल्पित हुए।

# सिसवा क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अवधेश इलेवन हेतिमपुर के नाम, आकाश इलेवन को 10 रन से हराया

## सेलंटिस हेल्थकेयर (वंश गोयल) की ओर से विजेता टीम को पल्सर बाइक का भव्य पुरस्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

**महराजगंज/सिसवा बाजार।** सिसवा के स्थानीय खेल मैदान पर खेले गए क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले ने दर्शकों को अंत तक रोमांचित बनाए रखा। खचाखच भरे मैदान और जोशीले माहौल के बीच खेले गए इस निर्णायक मुकाबले में अवधेश इलेवन हेतिमपुर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए आकाश इलेवन सिसवा को 10 रन से पराजित कर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टॉस जीतकर आकाश इलेवन सिसवा ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी अवधेश इलेवन हेतिमपुर की टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में 5 विकेट खोकर 164 रनों का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। टीम की ओर से सिप्पी बंसल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए विपक्षी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने दर्शनीय शतकीय पारी खेलते हुए 100 रन बनाए और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा राहुल सोलंकी ने 40 रन तथा नोमान ने 15 रनों का योगदान दिया। आकाश इलेवन सिसवा की ओर से गेंदबाजी में सत्यम सिंह और शक्ति सिंह ने 2–2 विकेट प्राप्त किए, जबकि प्रदीप

को एक सफलता मिली। 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आकाश इलेवन सिसवा की टीम ने भी जोरदार संघर्ष किया, लेकिन अंतिम ओवरों में दबाव के चलते लक्ष्य से चूक गई। निर्धारित ओवरों में टीम 6 विकेट के नुकसान पर 154 रन ही बना सकी। सिसवा की ओर से कादिर ने 40 रन, शिवम ने 35 रन, बुखारी ने 30 रन और नमन सिंह ने 18 रनों की उपयोगी पारी खेली। वहीं अवधेश इलेवन हेतिमपुर के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए सिसवा की रनगति को नियंत्रित रखा। गेंदबाजी में सिप्पी बंसल, मोनू और राहुल ने 2–2 विकेट झटके। इस प्रकार रोमांचक मुकाबले में अवधेश इलेवन हेतिमपुर ने 10 रन से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए सिप्पी बंसल को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में निरंतर बेहतरीन खेल के लिए आकाश इलेवन सिसवा के नमन सिंह को 'मैन ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि शिव शरण सिंह उर्फ टिक्कू उपस्थित रहे। विजेता टीम को सेलंटिस हेल्थकेयर (वंश गोयल) व अनूप मेडिकल एजेंसी (अनूप जायसवाल) की ओर से पल्सर बाइक भेंट की गई। इस अवसर पर सेलंटिस हेल्थकेयर के सुपर स्टॉकिस्ट अनूप जायसवाल, सेल्स एग्जीक्यूटिव अनिल जायसवाल, धीरज तिवारी एवं मनोज केसरी मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में जितेंद्र वर्मा, उमेश उमंग, अब्दुल हाफिज, बाबू सिंह, सिब्बू मल्ल और सोनू सिंह शामिल रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन समिति की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

# अर्पण पांडेय का चयन उत्तर प्रदेश की टीम का प्रबंधक बनाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बलरामपुर।** स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 69वीं मध्यमिक विद्यालई अंडर 17 बालक/बालिका राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता पुणे के लिए बलरामपुर जनपद के भारतीय विद्यालय इंटर कालेज उतरौला के व्यायाम शिक्षक अर्पण पांडेय का चयन उत्तर प्रदेश की टीम का प्रबंधक बनाया गया है। शिक्षा निदेशयल के निर्देश पर राज्य क्रीड़ा संस्थान अयोध्या द्वारा अर्पण पांडेय को बालक और बालिका टीम के प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है बताते चलें कराटे की यह प्रतियोगिता आगामी से 31जनवरी से 2

फरवरी तक पुणे महाराष्ट्र में आयोजित हो रही है। अर्पण पांडेय के उत्तर प्रदेश की टीम के प्रबंधक बनाए जाने पर जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद ,जिला खेल कोषाध्यक्ष कुमेश सरोज,जिला सचिव मो सुहेल, प्रधानाचार्य अशोक कुमार पांडे, राकेश सिंह, साधना पांडे, वंदना वर्मा, कैप्टन वी के शुक्ला, रीता चौधरी, व्यायाम शिक्षक नसीम अहमद,अभय शंकर, नवीन पाल, सईद अहमद, मदन लाल, रश्मि सिंह, स्मिता पाठक,विष्णु सैनी, प्रशांत सिंह, मो.शाहिद, रूपेंद्र त्रिपाठी, उमेश चन्द्र तिवारी, उमेश चौधरी, शिक्षक नेता भगवती प्रसाद शुक्ल, रमेश चन्द्र, अवधेश द्विवेदी, सुरेश यादव सहित कई शिक्षकों ने बधाई दी है।

# बृक्षो की अवैध कटान का विडियो/फोटो हो रहा वायरल, जिम्मेदार दे ध्यान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में लगातार अवैध कटान की भरमार है,जो सरकार के हरियाली सपना साकार न होकर सिर्फ सपना ही रहने की चर्चा जोरों पर है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक नवाबगंज थाना क्षेत्रांतर्गत कोल्हमपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में वन माफिया सक्रिय हैं जिसका कारण वन विभाग व पुलिस की मिली भगत होने की कानाफूसी है। हरे–भरे व प्रतिबंधित पेड़ों पर खुलेआम आरा चला रहे हैं और जिम्मेदार नजर बन्द कर चुपचाप है। अवैध कटान और पिकअप वैन में लदान की एक वीडियो व फोटो भी शोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है।बुध का संदेश अखबार इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता,लेकिन क्षेत्र में वन माफिया विभागीय मिलीभगत से खुलेआम पेड़ों को काट रहे हैं। चर्चा के मुताबिक चौकीक्षेत्र के दौलतपुर और मैनपुर समेत अन्य जगह वन माफिया हरे–भरे कीमती व प्रतिबंधित वृक्षों की आये दिन कटान करते रहते हैं तथा उसे

पिकप, ट्राली आदि पर लादकर आरामशीनो तक पहुंचाते हुये मालामाल हो रहे हैं।लेकिन न तो क्षेत्र के वन अधिकारी और न ही पुलिस इन वन माफियाओं को पकड़ने व अवैध कटान पर अंकुश लगाने में दिलचस्पी दिखा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो वन माफियाओं से महीने की मोटी रकम संरक्षण शुल्क के रूप में पुलिस व वन विभाग को जाती है,जिसके चलते इनपर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिसके चलते ये वन माफिया बेखौफ होकर हरियाली को क्षेत्र से खत्म करने मे लगे हुये हैं। उपरोक्त के सम्बन्ध में कुछ लोगों द्वारा जानकारी करने वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक अनभिज्ञता जताते हुये कहा कि, वीडियो/फोटो भेजिए दिखवाते हैं।फिलहाल वन क्षेत्राधिकारी ने पूर्व में ही कहा है कि जानकारी मिलते ही अवैध कटान पर कार्यवाही जरूर होगी।

# विराट हिंदू सम्मेलन में सामाजिक समरसता और जात–पात उन्मूलन का आह्वान

## "जात–पात और भेदभाव से मुक्त हुए बिना राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं" – मानस किंकर ओम प्रपन्नाचार्य जी महाराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

**उतरौला/बलरामपुर।** हिंदू समाज की एकता, सामाजिक समरसता और जात–पात की भावना के समूल उन्मूलन के उद्देश्य से उतरौला में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह सम्मेलन 18 जनवरी को नगर के रामलीला मैदान स्थित भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज परिसर में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही और पूरे क्षेत्र में सामाजिक एकजुटता का संदेश प्रसारित हुआ। इस विराट आयोजन में प्रांतीय मंत्री विश्व हिंदू परिषद महेश तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अयोध्या धाम से पधारे मानस किंकर ओम प्रपन्नाचार्य जी महाराज मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज के प्राचार्य कुमेश कुमार सरोज ने की। मुख्य वक्ता प्रांतीय मंत्री विश्व हिंदू परिषद महेश तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि आज आवश्यकता है कि हिंदू समाज अपने मूल संस्कारों को पहचाने, आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट हो और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे। उन्होंने समाज को तोड़ने वाली शक्तियों से सावधान रहने का आह्वान करते हुए युवाओं से धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति जागरूक रहकर सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक प्रवीण ने संघ की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ निरंतर हिंदू समाज के उत्थान, सामाजिक समरसता, राष्ट्रभक्ति और चरित्र निर्माण के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि शाखाओं और सामाजिक अभियानों के माध्यम से सेवा, अनुशासन और एकता का भाव विकसित किया जा रहा है, जिससे राष्ट्र सशक्त बन सके। मुख्य अतिथि मानस किंकर ओम प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने अपने ओजस्वी संबोधन में धर्म, संस्कृति, राष्ट्र और समाज से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता और संस्कारों में निहित है। जब तक समाज जात–पात, ऊंच–नीच और आपसी भेदभाव से मुक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने कर्बला, रामायण और भारतीय संस्कृति के प्रसंगों के माध्यम से त्याग, सेवा और समरसता का संदेश दिया। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य "पंच परिवर्तन" के माध्यम से समाज को जाग्रत करना है। पंच परिवर्तन में स्वभाव, परिवार, प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों की सहभागिता रही। संत–महात्मा, विद्वान वक्ता, समाज के प्रबुद्धजन, युवा और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन सुव्यवस्थित और अनुशासित ढंग से सम्पन्न हुआ। आगंतुकों के लिए भोजन एवं जलपान की समुचित व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार, विभाग प्रचार प्रमुख मनीष, जिला प्रचार प्रमुख मोहनीश, अमित कुमार, विश्वनाथ गुप्ता, अभिमन्यु फौजी, रमेश गुप्ता, सरोज कुमार, राजेश गुप्ता, केशरी गुप्ता, आर्यन गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, मयंक गिरी, आलोक कुमार, जिला संयोजक बजरंग दल सुरेश कश्यप, मारुति गुप्ता, हर्षवर्धन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कुल मिलाकर विराट हिंदू सम्मेलन केवल एक धार्मिक–सांस्कृतिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामाजिक चेतना, एकता और राष्ट्रबोध को मजबूत करने वाला प्रभावशाली मंच सिद्ध हुआ, जिसने उतरौला क्षेत्र में सामाजिक समरसता और एकजुटता का सशक्त संदेश दिया।

# सामूहिक प्रयासों से बनेगा बाल श्रम मुक्त बहराइचः ज़िलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बाल श्रम मुक्त बहराइच बनाने के लिए व्यापार संगठनों, ईंट भट्ठा एसोसिएशन, विभिन्न रेस्टोरेंट मालिकों का सहयोग बहुत जरूरी है। इन सभी उपक्रमों को न सिर्फ़ बाल श्रम मुक्त बहराइच बनाने का प्रण लेना होगा बल्कि अपने एसोसिएशन के अंतर्गत आने वाले सभी प्रतिष्ठानों में यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा काम ना करें। साथ ही बाल एवं किशोर प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम 1986 के अंतर्गत जिन अधिकारियों को बाल श्रम रोकने के लिए निर्गत किया गया है, उनको अपने क्षेत्रों में बाल श्रम मुक्ति के लिए अभियान चलाना होगा। यह बात श्रम विभाग, ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट एवं रोजा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन विषय पर विकास भवन सभागार में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कही। उन्होंने कहा कि कार्यशाला से निकली कार्ययोजना को अमली जामा पहनाने के लिए विभिन्न विभागों को साथ में आना होगा। कार्यशाला में स्टेट रिसोर्स सेल के राज्य समन्वयक सैयद रिजवान अली ने बाल श्रम कानून के साथ साथ विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया कार्यशाला का संचालन

असिस्टेंट लेबर कमिश्नर सिद्धार्थ मोदियानी द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान यह भी बताया गया कि राज्य स्तर पर ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट और श्रम विभाग के बीच पाँच आकांक्षी जनपदों को 2026 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए एक लिखित सहमति हुई है। इसी क्रम में ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट की सहयोगी संस्था रोजा संस्थान बहराइच में श्रम विभाग के साथ कार्य रही है। कार्यशाला के दौरान बच्चों की स्कूलों में उपस्थिति और नियमितता बनाने में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा ग्राम स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति एवं ब्लॉक स्तरीय ग्राम एवं बाल कल्याण समिति को मजबूत कर बाल श्रम रोकने के लिए कार्य करना होगा। इस कार्यशाला में प्रथम संस्था, देहात इंडिया, अपराजिता, व्यापार मंडल, जनपद के विभागीय अधिकारी, व अन्य गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

# आलेख्य निर्वाचक नामावलियों मतदाता सूची का हुआ चारों विधानसभा में वाचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एस0आई0आर0 अभियान के अंतर्गत रविवार को जनपद के चारों विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा जनसामान्य, बीएलए के समक्ष ड्राट सूची पढकर सुनाई गई और मौके पर उपस्थित मतदाताओं को आगाह किया कि सुनाई जा रही सूची को ध्यान से सुनें, जिससे बूथ के सही मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सकें। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर/रोल ऑब्जर्वर राजेश प्रकाश द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के .ष्टिगत विधानसभा 402 ओबरा के समन्वय विद्या मंदिर हाई स्कूल मुर्धवा रेनुकूट के मतदेय स्थलों बूथ सं0 338, 339, 340, 341 व 342 पर बी0एल0ओ0 द्वारा जनसामान्य व बी0एल0ए0 के समक्ष आलेख्य निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर सुनाया गया। इसी प्रकार से 402–विधानसभा ओबरा के बूथ सं0– 305, 306, 307, 308 व 309 आदित्य बिड़ला इण्टर मीडिएट कालेज रेनुकूट के मतदेय स्थलों पर आलेख्य निर्वाचक नामावलियों के सूची का वाचन किया गया। जनपद के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा अपने मतदेय स्थल पर पढ़कर सुनाया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्रत्येक मतदेय

स्थल पर फार्म–6,7, 8 एवं घोषणा पत्र की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई। उक्त के साथ ही जिन मतदाताओं के नाम आलेख्य मतदाता सूची में नहीं हैं, उनसे फार्म–6 एवं घोषणा पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया। जनसामान्य के अवलोकन के लिए आलेख्य मतदाता सूची की पीडीएफ जनपद की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई है। यदि उक्त मतदाता सूची में किसी निर्वाचक का नाम छूट गया है अथवा कोई संशोधन अपेक्षित है तो संबंधित मतदाता फार्म–6 मय घोषणा पत्र नए मतदाताओं के लिए), फार्म–7 मतदाता सूची से नाम अपमार्जन के लिए एवं फार्म–8 (मतदाता सूची में प्रविष्टि में संशोधन अथवा स्थानान्तरण किए जाने के लिए) में पूर्ण विवरण भरकर एवं आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर बीएलओ को उपलब्ध करा दें। इसी प्रकार से जिलाधिकारी /जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने भ्रमणशील रहकर विशेष अभियान का संचालन एवं निर्देशन में आलेख्य निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर सुनाया गया एवं मतदेय स्थलों पर नियुक्त बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) द्वारा जनसामान्य एवं बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के समक्ष ड्राट मतदाता सूची पढ़कर सुनाई गई। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी बी0एन0 सिंह के समक्ष राजा शारदा महेश इण्टर मीडिएट कालेज राबर्ट्सगंज व राजकीय बालिका इण्टर मीडिएट कालेज राबर्ट्सगंज में बी0एल0ओ0 द्वारा मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया, इस मौके पर नागरिकगण बी0एल0ए भी उपस्थित रहें। इस दौरान बीएलओ के पास फॉर्म–6, फॉर्म–7, फॉर्म–8 एवं डिक्लेरेशन फॉर्म पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहे। मतदाताओं को यह भी सूचित किया गया कि यदि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि, दावा अथवा आपत्ति हो तो वे संबंधित बीएलओ को निर्धारित प्रपत्रों पर अवगत करा सकते हैं। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ), बीएलओ सुपरवाइजर एवं अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की सतत समीक्षा की गई। सम्बन्धित नामित अधिकारी द्वारा विभिन्न मतदेय स्थलों का भ्रमण कर कार्यों का निरीक्षण किया, इस अवसर पर जनसामान्य एवं बूथ लेवल एजेंटों की उपस्थिति रहीं। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्रों में सम्बन्धित उप जिला निर्वाचन अधिकारी एव सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया, उनकी उपस्थिति में विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों में बनाये गये बूथों पर मतदेय स्थलों पर सूची का वाचन कराया गया।

## समाज सेवी नें किया जरूरतमंदों में कम्बल वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय विकास खंड के ग्राम पंचायत करमा के गांव करनवाह मे मां राजेश्वरी शंकर धाम परिसर मे असहाय ,निर्बलों एवं बुजुर्गों को कम्बल वितरण किया गया , समाजसेवी विपुल सिंह ने करीब पांच सौ कम्बल वितरित करते हुए कहा कि ठंड के मौसम मे कम्बल वितरित करते हुए बहुत ही गौरव का अनुभव हो रहा है, उन्होंने कहा कि आज हमारे पिता जी स्वर्गीय बंशराज सिंह की पूण्यतिथि है, उनके याद मे कम्बल वितरित करने का यह अवसर प्राप्त हुआ है, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गोपाल सिंह वैद्य ने कहा कि असहाय, गरीब और बुजुर्गों की सेवा सबसे बड़ा मानवीय कर्तब्य है, समाज के सक्षम लोगों को इस दिशा मे तत्पर रहना चाहिए, विपुल सिंह द्वारा किया जा रहा कम्बल वितरण मानवीय सेवाभाव है, जिसकी सराहना किया जाना चाहिए, इस अवसर पर प्रदीप कुमार सिंह, रबिन्द्र बहादुर सिंह, रबिन सिंह, रबिकान्त तिवीरी, धर्मेन्द्र कुमार, राहुल सिंह उपस्थित रहे।

## दूसरे समुदाय के बच्चों द्वारा मंदिर की दीवार पर अनैतिक कार्य करने का मामला गरमाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करमा थाना अंतर्गत बहेरा गांव में बीती रात करीब 9 बजे गांव के कुछ दूसरे समुदाय के बच्चों द्वारा अरबिन्द श्रीवास्तव के घर के सामने स्थित शिव मंदिर के दीवार पर अनैतिक कार्य करने का आरोप लगाते हुए शशांक श्रीवास्तव ने शोर मचाना शुरू कर दिया, शोर सुनकर आस पास के लोग इकट्ठा हो गये, सुबह होने पर अरविंद श्रीवास्तव ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की मांग की और इस बात की जानकारी होने पर आस पास के गांवों के कुछ लोग इकट्ठा हो गये, सुचना मिलने पर पहुंची थाना पुलिस ने मौका मुआयना कर विधिक कार्यवाही में जुट गयी, एडिसनल एसपी अनिल कुमार, सीओ घोरावल राहुल पाण्डेय सीओ अमित कुमार के अलावा करमा के साथ हीघोरावल की पुलिस भी मुस्तैद हो गयी, और मामले की गम्भीरता से लेते हुए पुलिस कार्रवाई में जुट गयी, एडिसनल एसपी ने बताया कि पांच लोंगों के खिलाफ मुकदमा पंजी.त करने की कार्रवाई की जा रही है।तीन लोंगों को गिरतार करलिया गया है, सभी अधिकारियों ने मौका मुआयना किया ,ग्रामीणों की मांग पर गांव स्थित तालाब के भीटे पर अतिक्रमण की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम घोरावल ने तहसीलदार को टीम गठित कर तुरंत अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गांव मे शांति ब्यवस्था कायम है।

# शिक्षा विभाग में बड़ा गड़बड़ झाला, स्कूली छात्रों को पता नहीं ककेहरा, बच्चों के भविष्य के साथ शिक्षक कर रहे खिलवाड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। स्थानीय शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ठुढ़वलिया में कुल 103 छात्र पंजी.त है जिसके सापेक्ष मात्र 22 बच्चे विद्यालय में उपस्थित पाए गए वहीं विद्यालय में बच्चों का भविष्य संवारने के लिए तीन शिक्षकों की नियुक्ति है जिसमें पुनिधर पांडे इंचार्ज / सहायक अध्यापक , लक्ष्मी प्रकाश सहायक अध्यापक व अनुराग सिंह नियुक्त हैं मौके पर दो शिक्षक पुनिधर पाण्डेय व लक्ष्मी प्रकाश उपस्थित रहे । शिक्षकों द्वारा जिम्मेदारी के नाम पर जरा सी गम्भीरता नहीं दिखाई दी । बताते चलें कि बच्चों को पढ़ाने के लिए जहां सरकार पुस्तक मुहैया कराती है वहीं सैकड़ो पुस्तक जमीन पर पड़े जमीन की तरी सीड़न खा रही हैं । आखिर जब बच्चों को शिक्षा के मंदिर में पुस्तक मुहैया कराने के लिए शासन ने विद्यालय के जिम्मेदार शिक्षक को मुहैया कराया था तो उन बच्चों को क्यों नहीं वितरण किया गया लोगों का मानना है कि यदि पंजीयन के हिसाब से बच्चों को पुस्तक वितरण किया गया होता तो जमीन पर पुस्तक नहीं पड़े होते इतना ही नहीं शिक्षा के प्रति शिक्षकों की घोर लापरवाही बरतते हुए देखा गया समाचार संकलन के दौरान जब बच्चों से मध्यान भोजन के बारे में जानकारी हासिल किया गया तो कक्षा तीन के छात्र नीरज ने बताया कि तरकारी भात खाए हैं तो वहीं दूसरा बच्चा अंकुश बताया कि दाल भात सब्जी खाए हैं जबकि एक ही विद्यालय में बच्चे पढ़ रहे हैं तो दो तरह की भोजन कैसे मुहैया कराई गई छात्र दीपक ने बताया कि वर्षों पूर्व एक दिन दूध मिला था तब से आज तक दूध कभी नहीं मिला , नंदनी छात्रा से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि दूध कभी नहीं मिला शुरू से इसी विद्यालय में पढ़ती हूं और तो और बताते चलें कि 20 जनवरी 2026 सोमवार को शिक्षक पुनिधर पांडे से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि कक्षा एक में कुल 16 बच्चे जिसके सापेक्ष 11 उपस्थित कक्षा 2 में 15 बच्चों के सापेक्ष 9 बच्चे कक्षा 3 में 25 बच्चों के सापेक्ष 17 बच्चे कक्षा 4 में 29 बच्चों के सापेक्ष 16 बच्चे कक्षा 5 में 18 बच्चों के सापेक्ष 9 बच्चें कुल मिलाकर 62 बच्चों का अटेंडेंस लगाया गया है जबकि मौके पर मात्र 22 बच्चे ही उपस्थित पाए गए जिसमें से करीब चार बच्चे ऐसे थे जो 5 वर्ष से कम आयु के थे शिक्षा के प्रति आखिर इतनी घोर लापरवाही क्यों हो रही है यदि इंचार्ज सहायक अध्यापक पुनिधर पांडे से पूछा गया कि 40 बच्चों का भोजन कौन खा गया इसका जवाब देने में आनाकानी करते हुए टालमटोल करने लगे वहीं जब रसोई भवन की तरफ देखा गया तो जहां बच्चे हाथ धुलते हैं वहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है इतना ही नहीं बल्कि टोटी भी गायब है । सही मायने में देखा जाय तो तीन शिक्षकों के बीच छात्रों के शिक्षा पर ग्रहण लगा हुआ है बच्चों से अम्ब्रेला , बनाना , एप्पल सहित कई मीनिंग पूछा गया लेकिन जवाब शून्य रहा है। शिक्षा के प्रति घोर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही होना आवश्यक है जिससे छात्रों के भविष्य के साथ कभी खिलवाड़ न हो सके। इस सम्बन्ध में वीईओ घनश्याम वर्मा ने बताया कि शिक्षक अनुराग सिंह के अवकाश के बारे में कोई जानकारी नहीं है अन्य प्रकरण के बारे में जांच करके दोषी पाये जाने पर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

## डॉ. वी.के. वर्मा का समाजसेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विगत कई वर्षों से डॉ. वी. के. वर्मा समाजसेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायक कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने न केवल एक कुशल चिकित्सक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि समाज के कमजोर, असहाय और जरूरतमंद वर्ग के लिए निरंतर सेवा भाव से कार्य कर मानवता की मिसाल भी प्रस्तुत की है। डॉ. वर्मा द्वारा समय–समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें सैकड़ों गरीब एवं वंचित मरीजों को मुत परामर्श, जांच एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के लिए उनके प्रयास विशेष रूप से सराहनीय रहे हैं। उन्होंने लोगों को स्वच्छता, पोषण और रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई है। समाजसेवा के क्षेत्र में भी डॉ. वर्मा का योगदान बहुआयामी रहा है। उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता, स्वास्थ्य शिक्षा, रक्तदान शिविरों और आपातकालीन सेवाओं में सक्रिय भागीदारी निभाई। महामारी एवं आपदा के समय भी वे निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा में अग्रिम पंक्ति में खड़े नजर आए। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि डॉ. वी. के. वर्मा का जीवन समाज के लिए एक प्रेरणा है। उनका समर्पण, सेवा भावना और कर्तव्यनिष्ठा आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो रही है। समाज उनके योगदान के लिए सदैव .तज्ञ रहेगा।

## मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत तुलसीपुर विकासखंड में व्यापक जनजागरण कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड तुलसीपुर की ग्राम पंचायत बेला बेली एवं ग्राम पंचायत खैरानिया बेलासपुर में व्यापक रूप से मनरेगा बचाव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, ग्रामीण एवं मनरेगा श्रमिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार एक सुनियोजित साजिश के तहत श्रमिकों के अधिकारों पर हमला कर रही है।

मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने और धीरे–धीरे समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और बेरोजगारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कांग्रेस पार्टी श्रमिकों के हक की इस लड़ाई को सड़क से सदन तक मजबूती से लड़ती रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी बलरामपुर शिवलाल कोरी ने की। उन्होंने कहा कि मनरेगा केवल रोजगार की योजना नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसे कमजोर करना सीधे–सीधे गरीबों के जीवन पर प्रहार है, जिसे

कांग्रेस किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख राजबहादुर यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह, पूर्व प्रत्याशी उमाशंकर तिवारी, तिरुयुगी नारायण द्विवेदी, मनरेगा कोऑर्डिनेटर विनय कुमार मिश्रा, अवधेश पाल सिंह, आशीष कुमार यादव, विश्वनाथ यादव, उमेश यादव, ग्राम प्रधान हनुमंत यादव, पारसनाथ यादव, अमेरिका कुरील सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर मनरेगा को बचाने और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

## कांग्रेस ने राज्यपाल को भेजा 4 सूत्रीय ज्ञापन : दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। वाराणसी के ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण और माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को क्षति पहुँचाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर कांग्रेस पदाधिकारियों, नेताओं ने जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जाँच कराकर दोषी व्यक्तियों, अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किया जाय। ज्ञापन देने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि मणिकर्णिका घाट का जीर्णोद्धार वर्ष 1791 में माता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा कराया गया था, इस घाट पर स्थापित माता अहिल्याबाई होल्कर की पवित्र एवं प्रतिष्ठित प्रतिमा भी ध्वस्तीकरण के पश्चात मलबे में दब गई, जो अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। यह .त्य न केवल हमारी ऐतिहासिक एवं सांस्.तिक विरासत पर सीधा प्रहार है, बल्कि काशीवासियों एवं सम्पूर्ण देश की धार्मिक भावनाओं को गम्भीर रूप से आहत करने वाला है। कांग्रेस नेता राम भवन शुक्ला,डा. वाहिद अली सिद्दीकी, संदीप श्रीवास्तव, अलीम अख्तर, शौकत अली नन्हू ने कहा कि विरासत के विकास के नाम पर उसका ध्वस्तीकरण करना, तथ्यों को छिपाना, सच्चाई सामने रखने वालों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर भय पैदा करना, यह कहना है कि वीडियो ए.आई. जनरेटेड है दुर्भाग्यपूर्ण है। अच्छा हो कि सरकार विरासत से खिलवाड़ करने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। राज्यपाल को भेजे 4 सूत्रीय ज्ञापन में मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण की उच्चस्तरीय जाँच कराकर कठोर कार्यवाही , मणिकर्णिका घाट का पुनर्निर्माण कराये जाने माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को सम्मानपूर्वक पुनः स्थापित करने, घाटों के सौंदर्यीकरण एवं विकास का कार्य काशीवासियों, धर्माचार्यों एवं जनप्रतिनिधियों से विचार–विमर्श के उपरान्त ही कराया जाने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने वालों में जयंत चौधरी, अनिल भारती, कौशल त्रिपाठी, राम धीरज चौधरी, साधु शरण आर्य, शिव विभूति मिश्रा, मोहम्मद रफीक, अमरदेव सिंह, गुड्डू सोनकर, शेर मोहम्मद, रामबचन भारती, अमर बहादुर शुक्ला, लक्ष्मी यादव, मोहम्मद शब्बीर,अताउल्लाह सिद्दीकी, आशुतोष पांडेय एडोकेट,सोमनाथ संत, सुनील पांडेय, दूधनाथ पटेल,सलाउद्दीन,, सर्वेश शुक्ला, शोभित चौधरी, आनंद निषाद, राजेश भारती,अमित श्रीवास्तव, सद्दाम हुसैन, कमला देवी,दुर्गेश चौधरी, विश्वजीत,राम बहादुर सिंह,बृजभान कनौजिया,राम प्रीत राम बाबू कल्पू,मनीष दुबे,विश्वजीत चौधरी, कन्हैयालाल के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

## जिला प्रशासन का अवैध मजार पर चला बुलडोजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। अवैध रूप से बनी मजार पर जिला प्रशासन के द्वारा नोटिस देने के बावजूद जब मजार नहीं हटाई गई तो प्रशासन ने बुलडोजर की सहायता से बनी अवैध मजारों को ढहा दिया। मिली जानकारी अनुसार मेडिकल कालेज परिसर में बनी तकरीबन 10 अवैध मजार का स्ट्रक्चर ध्वस्त किया गया। आस्ताना रसूल शाह,बाँसवाड़ी बाबा के नाम से मेडिकल कालेज के मुख्य द्वार पर बनी अवैध मजारों को तहस नहस किया गया। 02 मजारों को छोड़ बाकी कई अवैध मजारों को हटवाया गया। नगर पालिका प्रशासन व जिला प्रशासन के साथ ही भारी पुलिस बल के साथ अवैध अतिक्रमण को धवस्त कराया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

# बॉक्स ऑफिस पर हैप्पी पटेल और राहु केतु, द राजा साब का हाल-बेहाल, 44 दिन पुरानी धुरंधर की बादशाहत बरकरार




रणवीर सिंह–अक्षय खन्ना की नई फिल्म धुरंधर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 44 दिन हो गए हैं. 44 दिनों के बाद भी धुरंधर का जादू दर्शकों को अभी भी लुभा रहा है. यह फिल्म हाल ही में 800 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई है. इस फिल्म ने अब तक रिलीज हुई कई नई फिल्मों को पीछे छोड़ चुका है. फिर वो चाहे प्रभास की द राजा साब हो या फिर इक्कीस, राहु केतु और हैप्पी पटेल जैसी नई रिलीज फिल्में. इन नई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन ये फेल हुई. तो चलिए जानते हैं कि शनिवार, 17 जनवरी को कौन–सी फिल्म कितनी कमाई की और कलेक्शन की दौड़ में कौन आगे रहीं. साउथ सिनेमा के रिबेल स्टार प्रभास की फिल्म द राजा साहब की रिलीज से पहले काफी चर्चा में रही. लेकिन महज 9 दिनों में ही इसके कलेक्शन में भारी गिरावट आई. प्रभास की फिल्म ने 53.27 करोड़ रुपये के साथ शानदार ओपनिंग की, लेकिन अगले ही दिन से इसकी कमाई में गिरावट होने लगी. 9 जनवरी को रिलीज हुई द राजा साब को 9 दिन हो गए हैं. सैकनिल्क के मुताबिक, शनिवार यानी 9वें दिन प्रभास की फिल्म ने 2.86 करोड़ रुपये कमाए, जबकि शुक्रवार को 3.5 करोड़ रुपये. फिल्म का कुल कलेक्शन अब 136.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. फिल्म ने निश्चित रूप से 100 करोड़ क्लब में जगह बना ली है. द राजा साब के बाद बॉक्स ऑफिस पर 16 जनवरी को दो फिल्में रिलीज हुई एक आमिर खान के प्रोडक्शन की फिल्म हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस और दूसरी राहु केतु. पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अभिनीत फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई. द राजा साब के बाद बॉक्स ऑफिस पर 16 जनवरी को दो फिल्में रिलीज हुई एक आमिर खान के प्रोडक्शन की फिल्म हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस और दूसरी राहु केतु. पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अभिनीत फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 1 करोड़ रुपये से खाता खोला. वहीं दूसरे दिन इसकी कमाई में बढ़ोतरी देखी गई. सैकनिल्क के अनुसार, राहु केतु ने शनिवार को 1.6 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. दो दिनों के बाद फिल्म राहु केतु का कुल कलेक्शन 2.64 करोड़ रुपये हो गया है. आमिर खान के प्रोडक्शन की कॉमेडी फिल्म हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस की बात करें तो यह फिल्म राहु केतु से बेहतर परफॉर्म कर रही हैं. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये कमाए हैं. वहीं, दूसरे दिन वीर दास की फिल्म में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. शनिवार को फिल्म ने 1.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इस तरह हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस ने दो दिनों में कुल 2.78 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. धुरंधर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 44 दिन हो गए हैं और 44 दिनों के बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार रन कर रही. फिल्म की कमाई की बात करें तो मेकर्स के मुताबिक, फिल्म ने 7वें शनिवार को लगभग 3.6 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. 44 दिनों के बाद धुरंधर का कुल कलेक्शन लगभग 875.50 करोड़ रुपये हो गए हैं. धुरंधर की सफलता के बाद, मेकर्स ने इसके दूसरे पार्ट का एलान किया है. धुरंधर का सीक्वल 19 मार्च, 2026 को रिलीज होगा. रणवीर सिंह की यह फिल्म यश की फिल्म टॉक्सिक से टकराएगी.

## लीजा रे ने आखिर क्यों बनाई थी बॉलीवुड से दूरी ? 25 साल बाद एक्ट्रेस ने खोला राज

बॉलीवुड अभिनेत्री लीजा रे ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और फिर 1994 में फिल्म हंसते खेलते से एक्टिंग में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें कसूर, बॉलीवुडध्हॉलीवुड और 2005 में ऑस्कर नामांकित



वॉटर शामिल हैं। उनकी इमेज हमेशा ग्लैमरस और दमदार अदाकारा की रही, लेकिन 2001 में अपने करियर के सबसे ऊंचे मुकाम पर उन्होंने अचानक बॉलीवुड से दूरी बना ली। उन्होंने अब अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि आखिर उन्होंने ऐसा फैसला क्यों लिया था। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए लीजा रे ने कहा कि वह खुद को इंडस्ट्री में उस तरह नहीं देख पा रही थीं, जैसे वह वास्तव में थीं। उन्होंने कहा, मुझे सिर्फ सुंदर मॉडल के रूप में देखा जा रहा था। इन सब में उनकी असली आवाज और व्यक्तित्व दबा दिया गया था। इस दौरान मेरे पास कई फिल्मों के ऑफर थे, लेकिन मैंने प्रसिद्धि के बजाय खुद को जानने और समझने के लिए समय देना चुना। उन्होंने कहा, अपने ब्रेक के दौरान मैं लंदन चली गई और वहां एक कॉलेज में रहकर शेक्सपियर और कविता का अध्ययन किया। मैंने म्यूजियम और कला के बीच समय बिताया और बौद्ध धर्म–योग के बारे में जाना। मैंने लोगों की नजरों में दिखने के बजाय अपना जीवन सीखने, आत्मा और जिज्ञासा पर आधारित बनाने की कोशिश की।इस गहन आत्म–खोज के बाद लीजा ने इंडिपेंडेंट फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने कहा, उस वक्त फिल्में आमतौर पर कम बजट में बनती थीं, लेकिन मेरा मकसद केवल पैसा कमाना नहीं था। मैं विश्वास और उम्मीद के साथ फिल्में बनाती थीं। यह मेरे लिए खुद को जानने और समझने का एक अवसर था। मेरी फिल्मों में हल्की–फुल्की और गंभीर दोनों प्रकार की फिल्में शामिल थीं। इनमें हर किरदार के माध्यम से मुझे अपने व्यक्तित्व की खोज करने में मजा आया। पुरानी तस्वीरों और फिल्मों के बारे में बात करते हुए लीजा ने कहा, भले ही वे मुझे अपनी पुरानी सुंदरता की याद दिलाती हैं, लेकिन मेरा असली मकसद कभी भी फेम या सुंदर दिखने का नहीं था। मेरे लिए असली काम जीवन में गहराई लाने, अर्थ खोजने और लोगों की बाहरी उम्मीदों का बोझ हटाने का था। समय ने मुझे मिटाया नहीं, बल्कि मेरे असली होने को उजागर किया। यह सफर मेरे लिए अपने आप को समझने और अपनाने का अनुभव साबित हुआ।

## 2026 की गर्मी में होगा धमाका, धमाल 4 की रिलीज डेट आउट, वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है से होगा सामना

अजय देवगन ने बीते साल मुंबई में अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा फिल्म धमाल 4 की शूटिंग पूरी की थी और नए अंदाज में फिल्म का एलान किया था. मेकर्स ने 6 सितंबर 2025 को फिल्म धमाल



4 की स्टार कास्ट के फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर शूटिंग के खत्म होने का ऐलान किया था. इसके बाद से दर्शकों को इसकी रिलीज डेट का इंतजार था, जो खत्म हो गया है. जी हां धमाल 4 की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है और फिल्म इस गर्मी सिनेमाघरों में और भी ज्यादा गर्मी बढ़ाने वाली है. फिल्म में अजय देवगन के साथ–साथ अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमाय, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख और अंजलि अहम रोल में नजर आने वाले हैं. वहीं, पोस्टर से शरद केलकर और विजय पटकर गायब नजर आए थे. मुंबई में शूटिंग के अलावा फिल्म का पहला सेट मलशेज घाट पर लगा था.

बता दें, फिल्म को एक थीम दी गई और इनके किरदार को मास्टर्स ऑफ मिसचीफ एंड लाफ्टर का टैग दिया गया. सभी स्टार्स अपने फर्स्ट लुक में शॉकिंग नजर आए थे. अपने पिछली किश्तों की तरह धमाल 4 भी ड्रामा, एक्शन, भगदड़ और कॉमेडी का मिक्सअप होने वाली है. फिल्म का पहला पार्ट धमाल साल 2007 में आया था और जिसे दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला था. इस फिल्म को दर्शक आज भी नहीं भूले हैं.

फिल्म के पहले पार्ट में अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, आशीष चौधरी और संजय दत्त अहम रोल में नजर आए थे. फिल्म का सीक्वल डबल धमाल 2011 में आया था. पहली फिल्म की स्टाकास्ट के साथ फिल्म में कंगना रनौत और मल्लिका शेरावत भी एंट्री हुई थी.

वहीं, टोटल धमाल में अजय के साथ अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, ईशा गुप्ता और बोमन ईरानी नजर आए थे. गुलशन कुमार और टी–सीरीज की पेशकश को फिल्म देवगन फिल्म्स, टी–सीरीज फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पनोरमा स्टूडियोज प्रोडक्शन के साथ मिलकर बनाया गया है. ध मााल 4 का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है और फिल्म 12 जून 2026 के मौके पर रिलीज होगी. वहीं, इससे पहले 5 जून को वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है रिलीज होगी.

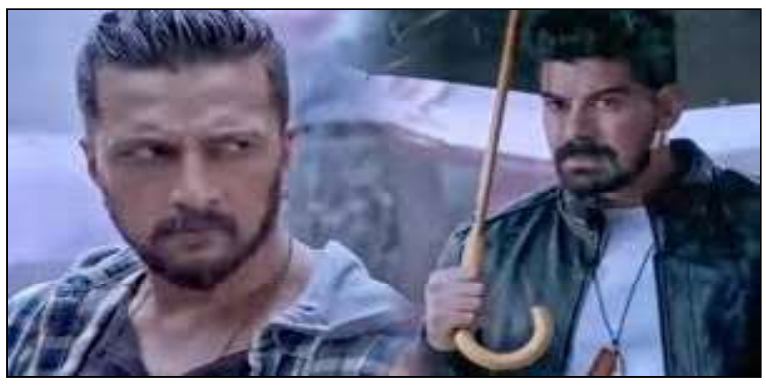

## क्राइम थ्रिलर की बाप निकली किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क, जिसका एक्शन देख खुला रह जाएगा मुंह, हर सीन है जबरदस्त

साउथ सिनेमा की ये एक्शन–थ्रिलर फिल्म आपके वीकेंड की बेस्ट चॉइस साबित हो सकती है, जिसमें आपको बहुत कुछ देखने को मिलने वाला है। ये साउथ की वो फिल्म है, जिसकी कहानी



आपको पूरे 2 घंटे 24 मिनट तक स्क्रीन से बंदे रखेंगी। थ्रिल, इमोशन और सस्पेंस से भरी ये फिल्म अपने एक्शन की वजह से जबरदस्त चर्चा में रही है। धुरंधर में जिस तरह बॉम्ब ब्लास्ट, मारपीट से लेकर खतरनाक खून खराबा देखने को मिला। उसी तरह ये फिल्म भी एक्शन से भरपूर है। हम बात कर रहे हैं, कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एक्शन–थ्रिलर फिल्म मार्क की, जो थिएटर में रिलीज होने के बाद से ही फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा बटोरी है। इस फिल्म का हर एक्शन सीन केजीएफ और लियो जैसी फिल्मों को कड़ी टक्कर देता है।

अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और जबरदस्त एक्टिंग के लिए जाने जाने वाले सुदीप ने मार्क से तहलका मचा दिया है। मार्क एक एक्शन–थ्रिलर फिल्म है, जिसे विजय कार्तिकेय ने डायरेक्ट और लिखा है। फिल्म में सुदीप लीड रोल में हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ओटीटी 23 जनवरी को जिओ हॉटस्टार पर दस्तक देने वाली है। अब कई दर्शक यह जानने के लिए बेताब हैं कि वे इस फिल्म को ऑनलाइन कब और कहां देख सकते हैं। मार्क एक हाई–ऑक्टेन एक्शन–थ्रिलर है जो सस्पेंस, इमोशन और स्टाइलिश एक्शन का मिश्रण है। यह फिल्म पॉलिटिकल साजिश और भ्रष्टाचार, विजिलेंट जस्टिस और लॉ एनफोर्समेंट, पर्सनल दांव और हाई–ऑक्टेन एक्शन–सस्पेंस जैसे विषयों पर आधारित है।

फिल्म मार्क में किच्चा सुदीप हैं और इसकी कहानी अजय मार्कंडेय (मार्क) के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक सस्पेंड पुलिस ऑफिसर है और 20 लापता बच्चों को बचाने की कोशिश करता है। अपनी इस कोशिश में वह ड्रग ट्रैफिकिंग, राजनीतिक भ्रष्टाचार और भद्रा नाम के एक बेरहम गैंगस्टर से जुड़ी एक बड़ी साजिश का खुलासा करता है। साथ ही खुद को बेगुनाह साबित करने और बेंगलुरु और कर्नाटक में प्रभावशाली नेटवर्क का पर्दाफाश करने की कोशिश करता है।

फिल्म में एसपी अजय मार्कंडेय के रूप में सुदीपा, आदिकेशव के रूप में शाइन टॉम चाको, भद्र के रोल में नवीन चंद्र, स्टीफन राज ने गुरु सोमसुंदरम और कैमियो रोल में निश्विका नायडू, संचना के किरदार में रोशनी प्रकाश, गोपालकृष्ण देशपांडे, महंतेश हीरेमथ, कृष्णा प्रिया, ड्रैगन मंजू और देव गिल भी शामिल हैं। इसका निर्माण सत्य ज्योति फिल्म्स और किच्चा क्रिएशन्स के बैनर तले टी जी त्यागराजन, सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन द्वारा किया गया है।

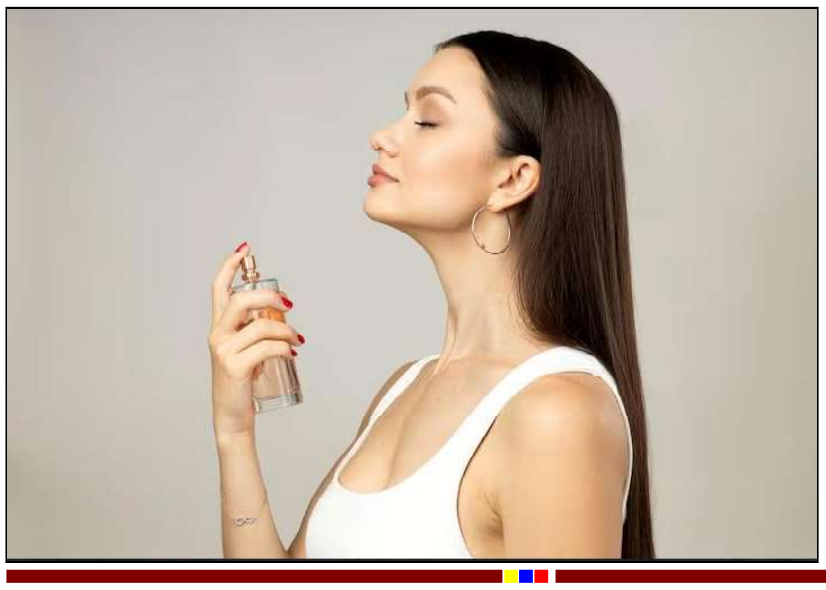

## सीधे त्वचा पर ही लगा लेते हैं परफ्यूम? ऐसा करने से हो सकती हैं ये परेशानियां



पुरुष हों या महिलाएं, परफ्यूम हर किसी के श्रृंगार का हिस्सा रहता है। इसे लगाने से न केवल शरीर महक उठता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है। परफ्यूम को हमेशा कपड़ों पर लगाया जाता है। हालांकि, कई लोग इसे सीधे त्वचा पर लगाने की गलती कर बैठते हैं। ऐसा करने से आपको कई परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको त्वचा पर परफ्यूम लगाने के नुकसानों के बारे में बताएंगे।

एलर्जीः परफ्यूम कई तरह के रसायनों को मिलाकर बनाए जाते हैं। जब ये रसायन त्वचा के संपर्क में आते हैं तो एलर्जी पैदा होने का खतरा रहता है। परफ्यूम में शामिल लिनलू, लिमोनीन और बेंजाइल अल्कोहल जैसे रसायनों की वजह से लाल चक्कते होने लगते हैं। कुछ लोगों को इसके कारण सूजन, मुंहासे, लालपन और खुजली से भी जूझना पड़ सकता है। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो आपको एलर्जी का ज्यादा खतरा हो सकता है।

त्वचा का रंग बदलनाः परफ्यूम में मौजूद रसायन एक बड़ी समस्या का कारण भी बन सकते हैं। आप जिस हिस्से पर परफ्यूम छिड़केंगे, उसका रंग भी बदल सकता है। परफ्यूम सूरज की रोशनी के साथ मिलकर त्वचा को ज्यादा संवेदनशील बना सकता है। इसके चलते त्वचा का रंग गहरा हो सकता है या काले धब्बे हो सकते हैं। इतना ही नहीं, इसकी वजह से कुछ लोगों को सनबर्न की परेशानी भी होने का डर रहता है।

हार्मोनल असंतुलनः कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि परफ्यूम हमारे हार्मोन के लिए अच्छे नहीं होते। इसकी वजह से लोगों को हार्मोनल असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है। कई परफ्यूम में थैलेट्स, पैराबेंस और सिंथेटिक मस्क जैसे एंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल्स होते हैं। ये हार्मोन की नकल करते हैं या उन्हें बाधित कर देते हैं। ऐसे में प्रजनन, चयापचय और विकास से जुड़ी समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। इन रसायनों की वजह से महिलाओं के पीरियड्स देर से आ सकते हैं।

सिरदर्दः हम में से कई लोगों को परफ्यूम की वजह से सिरदर्द होने लगता है। अगर इसे सीधे त्वचा पर लगा लिया जाए तो और भी मुश्किल होती है। यह परफ्यूम में मौजूद रसायन की वजह से होता है, जो सूजन पैदा करते हैं या तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं। इसके कारण सिर में असहनीय दर्द होने लगता है, चक्कर आने लगता है या लोग बेहोश भी हो जाते हैं। साथ ही इससे मूड भी खराब हो जाता है।

श्वसन संबंधी समस्याएं

सीधे त्वचा पर परफ्यूम छिड़कना श्वसन संबंधी समस्यों की वजह बन सकता है। खासकर अस्थमा या एलर्जी से जूझ रहे लोगों को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ सकती है। इससे खांसी आने लगती है या नाक बंद हो जाती है। अस्थमा के मरीजों को परफ्यूम के संपर्क में आने से अस्थमा का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों को खुशबू वाले घटकों से सच में एलर्जी होती है और परफ्यूम के कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।